YouTube AJJ KA MUDDA

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र

Website : www.aajkamudda.com
Email:muddaaajka@gmail.com

आज का मुद्दा

नोएडा गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

नजर आपकी खबर आपकी

वर्ष : 15 अंक 11 नोएडा गौतमबुद्धनगर, गुरूवार 30 जनवरी 2025 RNI-No. UPHIN/2011/37197 पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

नीट पीजी पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

डोमिसाइल कोटा खत्म, जज बोले-ये संविधान के खिलाफ

- अगले सत्र से नए एडमीशंस पर लागू होगा यह नया नियम

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पीजी की तैयारी कर रहे कैंडीडेट्स के लिए बड़ी खबर आई है। कुछ लोगों के लिए ये बुरी हो सकती है और कुछ के लिए अच्छी। दरअसल, पीजी मेडिकल एडमीशन में रिजर्वेशन के नियम पर सुप्रीम कोर्ट ने बेहद महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। बुधवार, 29 जनवरी को सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि मेडिकल के पीजी कोर्सेस में डोमिसाइल के आधार पर प्रवेश दिया जाना गलत है। ये भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता

का अधिकार) का उल्लंघन करता है। मामले की सुनवाई कर रही तीन जजों की बेंच ने कहा, हम सभी भारत के डोमिसाइल (निवासी) हैं। अलग से स्टेट डोमिसाइल जैसा कुछ नहीं है। यहां केवल एक ही डोमिसाइल है। वो ये कि हम सभी भारत के निवासी हैं। हमारे पास देश में कहीं भी अपना आवास चुनने का अधिकार है। स्वतंत्र होकर अपना पेशा चुनने का अधिकार है। हमारा संविधान भी हमें भारत में कहीं भी किसी भी शिक्षण संस्थान में दाखिला लेने का अधिकार देता है। अब जब नीट पीजी पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया है, तो नीट यूजी पर भी सवाल उठ रहे हैं। लेकिन शीर्ष अदालत ने एमबीबीएस, बीडीएस जैसे कोर्स में एडमीशन के लिए डोमिसाइल बेस्ड रिजर्वेशन को कुछ हद तक उचित ठहराया है। लेकिन पीजी के मामले में कोर्ट का कहना है कि ये विशेषज्ञ डॉक्टर बनाने वाले कोर्स हैं। इनमें स्पेशलाइजेशन और एक्सपर्टीज बेहद जरूरी है।

अमेरिका ने चलाया डंडा तो भी मान नहीं रहा रूस

अब दोस्त भारत की लेने जा रहा परीक्षा, ट्रंप का भड़केगा गुस्सा!

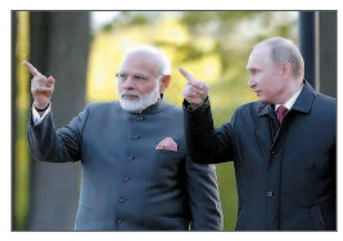

मास्को (एजेंसी)। यूक्रेन युद्ध को देखते हुए अमेरिका के बाइडन प्रशासन ने जाते-जाते रूस के खिलाफ अपने प्रतिबंधों को और ज्यादा कड़ा कर दिया था। अमेरिका ने रूसी तेल के निर्यात पर कई नए प्रतिबंध लगा दिए हैं जिससे भारत के लिए बड़ी मुसीबत पैदा हो गई है। इसके बाद अब भी अब रूस ने कम से कम 5 तेल टैंकरों को तेल के साथ भारत के लिए रवाना किया है। रूस के ये अमेरिका की ओर से ब्लैकलिस्ट किए गए टैंकर भारत के लिए संकट बन सकते हैं। भारत ने इससे पहले कहा था कि अगर कोई तेल 10 जनवरी के पहले जहाज पर लोड किया गया है तो उसे भारतीय बंदरगाह पर उतारने दिया जाएगा। रूस जो नया तेल टैंकर भेज रहा है, यह भारत के दिए गए छूट के अतिरिक्त है। बाइडन के अंतिम दिनों में अमेरिका के ट्रेजरी विभाग ने 10 जनवरी को रूस के खिलाफ प्रतिबंधों का ऐलान किया था। रूस के सभी 5 तेल टैंकर इस दिन के बाद रवाना हुए हैं। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक रूस के इस कदम से मास्को और नई दिल्ली दोनों की परीक्षा होगी।

कोलकाता रेप-मर्डर

विक्टिम के पेरेंट्स ने दोबारा जांच की याचिका ली वापस

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुए रेप-मर्डर मामले की सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई से पहले विक्टिम के माता-पिता ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका वापस ले ली। 20 जनवरी को उन्होंने कहा था वे सीबीआई जांच से संतुष्ट नहीं हैं और नए सिरे से जांच चाहते हैं। इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट ने उनके वकील से पूछा कि कोर्ट इस मामले की सुनवाई करे या नहीं, क्योंकि इस मामले में हाईकोर्ट में भी याचिका दाखिल हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने पेरेंट्स के वकील को ये भी चेतावनी दी

कि वे कोर्ट में दाखिल किए गए हलफनामे में दिए गए बयानों को लेकर सतर्क रहें, क्योंकि इस मामले में संजय रॉय को दोषी करार दे दिया गया है। कोर्ट ने याचिका वापस लेने की अनुमति देने के साथ नई याचिका दाखिल करने की अनुमति दी है। 20 जनवरी को सेशंस कोर्ट ने संजय रॉय को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। साथ ही 50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया था। कोर्ट ने कहा कि यह रेयरेस्ट ऑफ रेयर मामला नहीं है, इसलिए फांसी की सजा नहीं दे सकते।

महाकुंभ में तीनों शंकराचार्यों ने संगम पर किया अमृत स्नान

- नागा साधुओं ने लहराई तलवार, अवधेशानंद-कैलाशानंद रथ पर निकले
- श्रद्धालुओं ने साधुओं के पैरों की धूल बटोरी, हेलीकॉप्टर से बरसाए फूल

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ में मौनी अमावस्या पर दूसरा अमृत स्नान जारी है। साधु-संत छोटे-छोटे ग्रुप में अपने ईष्टदेव के साथ सांकेतिक रूप से संगम स्नान कर रहे हैं। जूना अखाड़े के नागा साधुओं ने तलवार लहराई। जयकारे लगाते हुए संगम घाट पहुंचे हैं। आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज, निरंजनी अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर कैलाशानंद गिरि महाराज ने संगम में अमृत स्नान किया। रास्ते में सीआरपीएफ और पुलिस के जवान तैनात हैं। हेलीकॉप्टर से संतों और श्रद्धालुओं पर फूलों की बारिश की गई।

इससे पहले तड़के अखाड़ों के साधु-संत अमृत स्नान के लिए निकले थे। इस बीच, भगदड़ के बाद संगम पर हालात बेकाबू हो गए। प्रशासन ने तुरंत अखाड़ों से अपील की- स्नान के लिए न जाएं। साधु-संतों ने

बैठक की। पहले तय हुआ कि अखाड़ों के साधु-संत मौनी अमावस्या पर स्नान नहीं करेंगे। हालात पर 3 घंटे में काबू पा लिया गया। सीएम ने अखाड़ों से बात की। संत अमृत स्नान के लिए राजी हो गए। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने बताया, हम अपने देवता के साथ सांकेतिक अमृत स्नान करेंगे। कोई बड़ा जुलूस नहीं निकालेंगे। भाजपा सांसद हेमा मालिनी स्नान कर चुकी हैं।

मुंह से दी सांस, परिवार हुआ साफ, भीड़ का उमड़ा सैलाब

- भगदड़ का शिकार लोगों ने बताया महाकुंभ का रूह कंपाने वाला मंजर

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ में मौनी अमावस्या पर बुधवार को आ6धी रात के बाद तड़के यहां बड़ा हादसा हो गया। भगदड़ मच गई, जिस वजह से कई श्रद्धालु घायल हो गए और कई लोगों के परिजनों की मौत हो गई। घटनास्थल से कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हैं, जिसमें हादसे का दर्द साफ झलक रहा है।

हम 9 आदमी आए थे, दो आदमी मर गए

एक पीड़ित ने कैमरे पर व्यथा जाहिर करते हुए कहा- हम 7 आदमी हैं, 9 आदमी थे, दो आदमी मर गया। राम अवध शर्मा और गुलइचा देवी। कहते-कहते वह रुआंसा हो जाता है। जब पूछा जाता है कि कितने बजे तो वह कहता है अभी-अभी एक घंटा पहले। आंखों में आंसू लिए वह शख्स कहता है कि 112 पर फोन किया, कोई नहीं उठाया। 100 पर किया कोई नहीं उठाया। बॉडी वहीं पर है। पुलिस थी, कोई बोला ही नहीं, बोला- बढ़ो, बढ़ो, बढ़ो। वहीं एक तस्वीर में महिला भीड़ के बीच जूते और कपड़ों के ढेर के बीच कुछ तलाश करती दिखाई पड़ी। अन्य महिला ने बताया कि भीड़ में हम सब लोग दब गए। हम चिल्ला रहे थे। मैं संगम की तरफ नहाने जा रही थी। हमारे साथ हमारा पूरा एक ग्रुप था। अचानक तेज आवाज सुनाई दीं। चीखों के बीच एंबुलेंस के सायरन गूंज रहे थे। लोग रो रहे थे और अपनों को ढूंढ रहे थे।

कोई सांस देता दिखा तो कोई हाथ जोड़े नजर आया

एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें एक महिला जमीन पर बेसुध हालत में लेटे व्यक्ति को मुंह से सांस देती नजर आ रही हैं। वहीं एक अन्य पीड़ित ने बताया कि हम लोग संगम में नहाने जा रहे थे। अचानक भीड़ टूटी और लोग जमीन पर गिर पड़े। भीड़ उन्हें रौंदती हुई निकल गई। मेरा पूरा परिवार दब गया। किसी तरह निकला और अपने परिवार को निकाला।

निकाय चुनाव में एमवीए के साथ लड़ेगी उद्धव सेना

यूबीटी के यू-टर्न के बाद कांग्रेस-शरद गुट ने दिखाए नखरे

मुंबई (एजेंसी)। निकाय चुनाव में गठबंधन को लेकर शिवसेना (यूबीटी) के यू-टर्न के बाद कांग्रेस और एनसीपी ने अपने पत्ते खोले हैं। एनसीपी-एसपी ने जिलों में गठबंधन करने की फैसला कार्यकर्ताओं पर डालकर नहले पर दहला खेल दिया है। कांग्रेस ने शिवसेना को नसीहत दी है कि गठबंधन में सभी दलों को नफा-नुकसान मिलकर साझा करना पड़ता है। कांग्रेस ने इशारों में जता दिया है कि सिर्फ

मुंबई के बाहर के जिलों में उद्धव सेना की सहूलियत के हिसाब गठबंधन संभव नहीं है। सोमवार को यूबीटी प्रवक्ता संजय राउत ने कहा कि पार्टी ने सिर्फ मुंबई में अकेले चुनाव लड़ने का फैसला लिया था। महाविकास अघाड़ी के घटक दल साथ मिलकर चुनाव लड़ना चाहते हैं, जिससे शिवसेना (यूबीटी) भी सहमत है। एमवीए मुंबई के अलावा पूरे प्रदेश में एकजुट होकर चुनाव लड़ेगा। उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) ने महाराष्ट्र के अन्य हिस्सों में नगर निकाय चुनावों दौरान गठबंधन की बात की है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दिल्ली-हरियाणा बॉर्डर पर दाहिसरा गांव के पास यमुना नदी के घाट का दौरा

दिल्ली/(शशि किरण अरोड़ा) - आज का मुद्दा--मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दिल्ली-हरियाणा बॉर्डर पर दाहिसरा गांव के पास यमुना नदी के घाट का दौरा अरविंद केजरीवाल के झूठ और जहरीली राजनीति को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जवाब मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बेझिझक होकर यमुना का पानी पीया मुख्यमंत्री ने यमुना नदी में किया पूजन और नदी के पवित्र जल का किया आचमन हरियाणा के दहिसरा गांव के समीप से दिल्ली में प्रवेश करती यमुना नदी मुख्यमंत्री बोले, केजरीवाल साहब! की झूठ बोलना पुरानी फितरत, पिछले 10 साल में काम करने की बजाए लोगों को झूठ बोलकर डरा रहे केजरीवाल मुख्यमंत्री ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा लिए गए सैंपल की रिपोर्ट भी दिखाकर केजरीवाल के झूठ की खोली पोल, पिछले चार सैंपल की जाँच रिपोर्ट में हरियाणा की सीमा पर यमुना का जल मानकों पर उतरा पूरी तरह खरा केजरीवाल से की झूठे बयान के लिए दिल्ली और हरियाणा के लोगों से माफी मांगने की मांग

वित्तीय वर्ष 2025-26 के केंद्रीय बजट से मिल सकती हैं कई सौगातें

प्रहलाद सबनानी

वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में रोजगार के अधिक से अधिक अवसर निर्मित करने वाले उद्योगों को भी कुछ राहत प्रदान की जा सकती है क्योंकि आज देश में रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित करने की महती आवश्यकता है। विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग को विशेष सुविधाएं प्रदान की जा सकती हैं।

वित्तीय वर्ष 2024-25 की पहली छमाही (अप्रेल-सितम्बर 2024) में भारत की आर्थिक विकास दर कुछ कमजोर रही है। प्रथम तिमाही (अप्रेल-जून 2024) में तो सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर गिरकर 5.2 प्रतिशत के निचले स्तर पर आ गई थी। इसी प्रकार द्वितीय तिमाही (जुलाई-सितम्बर 2024) में भी सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर 5.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है। इससे वित्तीय वर्ष 2024-25 में यह वृद्धि दर घटकर 6.6 प्रतिशत से 6.8 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है, जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत की रही थी। वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम छमाही में आर्थिक विकास दर के कम होने के कारणों में मुख्य रूप से देश में सम्पन्न हुए लोक सभा चुनाव है और आचार संहिता के लागू होने के चलते केंद्र सरकार के पूंजीगत खर्चों एवं अन्य खर्चों में भारी भरकम कमी दृष्टिगोचर हुई है। साथ ही, देश में मानसून की स्थिति भी ठीक नहीं रही है।

केंद्र सरकार ने हालांकि मुद्रा स्फीति पर अंकुश लगाने में सफलता तो अर्जित कर ली है परंतु उच्च स्तर पर बनी रही मुद्रा स्फीति के कारण कुल मिलाकर आम नागरिकों, विशेष रूप से मध्यमवर्गीय परिवारों, की खर्च करने की क्षमता पर विपरीत प्रभात जरूर पड़ा है और कुछ मध्यमवर्गीय परिवारों के गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे परिवारों की श्रेणी में जाने का खतरा उत्पन्न हो गया है। किसी भी देश में मध्यमवर्गीय परिवारों की जितनी अधिक संख्या रहती है, उस देश की आर्थिक विकास दर ऊंचे स्तर पर बनी रहती है क्योंकि मध्यमवर्गीय परिवार ही विभिन्न प्रकार के उत्पादों (दोपहिया वाहन, चारपहिया वाहन, फ्रिज, एयर कंडीशनर जैसे उत्पादों एवं नए फ्लेट्स एवं भवनों आदि) को खरीदने पर अपनी आय के अधिकतम भाग का उपयोग करता है। इससे आर्थिक चक्र में तीव्रता आती है और इन उत्पादों की बाजार में मांग के बढ़ने के चलते इनके उत्पादन को विभिन्न कम्पनियों द्वारा बढ़ाया जाता है, इससे इन कम्पनियों की आय एवं लाभप्रदता में वृद्धि होती है एवं देश में रोजगार के नए अवसर निर्मित होते हैं।

भारत में पिछले कुछ समय से मध्यमवर्गीय परिवारों की व्यय करने की क्षमता पर विपरीत प्रभाव पड़ा है अतः दिनांक 1 फरवरी 2025 को केंद्र सरकार की वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारामन से अब यह अपेक्षा की जा रही है कि वे वित्तीय वर्ष 2025-26 के केंद्र सरकार के बजट में मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए विशेष रूप से आय कर में छूट की घोषणा करेंगी। देश के कई अर्थशास्त्रियों का तो यह

भी कहना है कि न केवल आय कर में बल्कि कारपोरेट कर में भी कमी की घोषणा की जानी चाहिए। इनफोसिस के संस्थापक सदस्यों में शामिल श्री मोहनदास पई का तो कहना है कि 15 लाख से अधिक की आय पर लागू 30 प्रतिशत की आय कर की दर को अब 18 लाख से अधिक की आय पर लागू करना चाहिए। आय कर मुक्त आय की सीमा को वर्तमान में लागू 7.75 लाख रुपए की राशि से बढ़ाकर 10 लाख रुपए कर देना चाहिए। आयकर की धारा 80सी के अंतर्गत किए जाने निवेश की सीमा को भी 1.50 लाख रुपए की राशि से बढ़ाकर 2 लाख रुपए कर देना चाहिए। मकान निर्माण हेतु लिए गए ऋण पर अदा किए जाने वाले ब्याज पर प्रदान की जाने वाली आयकर छूट की सीमा को 2 लाख रुपए से बढ़ाकर 3 लाख रुपए किया जाना चाहिए।

फरवरी 2025 माह में ही भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मोनेटरी पोलिसी की घोषणा भी होने जा रही है। भारतीय रिजर्व बैंक से अब यह अपेक्षा की जा रही है कि वे रेपो दर में कम से कम 25 अथवा 50 आधार बिंदुओं की कमी तो अवश्य करेंगे। क्योंकि, पिछले लगातार लगभग 24 माह तक रेपो दर में कोई भी परिवर्तन नहीं करने के चलते मध्यमवर्गीय परिवारों द्वारा मकान निर्माण एवं चार पहिया वाहन आदि खरीदने हेतु बैंकों से लिए गए ऋण की किश्त की राशि का बोझ बहुत अधिक बढ़ गया है। बैंकों से लिए गए इस प्रकार के ऋणों एवं माइक्रो फाइनैन्स की किश्तों की अदायगी में चूक की घटनाएं भी बढ़ती हुई दिखाई दे रही हैं। अब मुद्रा स्फीति की दर खाद्य पदार्थों (फलों एवं सब्जियों आदि) के कुछ महंगे होने के चलते ही उच्च स्तर पर आ जाती है जबकि कोर मुद्रा स्फीति की दर तो अब नियंत्रण में आ चुकी है। खाद्य पदार्थों की मंहगाई को ब्याज दरों को उच्च स्तर पर बनाए रखकर कम नहीं किया जा सकता है। अतः भारतीय रिजर्व बैंक को अब इस ओर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में सम्पन्न हुए लोक सभा चुनाव के चलते देश में पूंजीगत खर्चों में कमी दिखाई दी है। इसीलिए अब लगातार यह मांग की जा रही है कि देश में वन नेशन वन इलेक्शन कानून को शीघ्र ही लागू किया जाना चाहिए क्योंकि बार बार देश में चुनाव होने से केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा आचार संहिता के लागू होने के चलते अपने बजटीय खर्चों को रोक दिया जाता है जिससे देश का आर्थिक विकास प्रभावित होता है। अतः वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए लोक सभा में पेश किए जाने वाले बजट में पूंजीगत खर्चों को बढ़ाने पर गम्भीरता दिखाई जाएगी। हालांकि वित्तीय वर्ष 2022-23 के बजट में 7.50 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्चों का प्रावधान किया गया था, वित्तीय वर्ष 2023-24 के बजट में 10 लाख करोड़ रुपए एवं वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट में 11.11 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्चों का प्रावधान किया गया था। अब वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए कम से कम 15 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्चों का प्रावधान किये जाने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इससे देश में धीमी पड़ रही आर्थिक गतिविधियों को तेज करने में सहायता मिलेगी और रोजगार के करोड़ों नए अवसर भी निर्मित होंगे, जिसकी वर्तमान समय में देश को अत्यधिक आवश्यकता भी है।

विभिन्न राज्यों द्वारा चलायी जा रही फ्रीबीज की योजनाओं पर भी अब अंकुश लगाए जाने के प्रयास किए जाने चाहिए। इन योजनाओं से देश के आर्थिक विकास को लाभ कम और नुक्सान अधिक होता है। केरल, पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं दिल्ली की स्थिति हम सबके सामने है। इस प्रकार की योजनाओं को चलाने के कारण इन राज्यों के बजटीय घाटे की स्थिति दयनीय स्थिति में पहुंच गई है। पंजाब तो किसी समय पर देश के सबसे सम्पन्न राज्यों में शामिल हुआ करता था परंतु आज पंजाब में बजटीय घाटा भयावह स्थिति में पहुंच गया है। जिससे ये राज्य आज पूंजीगत खर्चों पर अधिक राशि व्यय नहीं कर पा रहे हैं क्योंकि इन राज्यों की न तो आय बढ़ रही है और न ही बजटीय घाटे पर नियंत्रण स्थापित हो पा रहा है।

पिछले कुछ समय से भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश भी कम हो रहा है। यह सितम्बर 2020 तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद का 4.3 प्रतिशत था जो अब गिरकर सकल घरेलू उत्पाद का 0.8 प्रतिशत के स्तर तक नीचे आ गया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में इस विषय पर भी गम्भीरता से विचार किया जाएगा। वित्तीय वर्ष 2019 के बजट में कोरपोरेट कर की दरों में कमी की घोषणा की गई थी, जिसका बहुत अच्छा प्रभाव विदेशी प्रत्यक्ष निवेश पर पड़ा था और सितम्बर 2020 में तो यह बढ़कर सकल घरेलू उत्पाद का 4.3 प्रतिशत तक पहुंच गया था। अब एक बार पुनः इस बजट में कोरपोरेट कर में कमी करने पर भी विचार किया जा सकता है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में रोजगार के अधिक से अधिक अवसर निर्मित करने वाले उद्योगों को भी कुछ राहत प्रदान की जा सकती है क्योंकि आज देश में रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित करने की महती आवश्यकता है। विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग को विशेष सुविधाएं प्रदान की जा सकती हैं। हां, साथ में तकनीकी आधारित उद्योगों को भी बढ़ावा देना होगा क्योंकि वैश्विक स्तर पर भी हमारे उद्योगों को हमें प्रतिस्पर्धी बनाना है। ग्रामीण इलाकों में आज भी भारत की लगभग 60 प्रतिशत आबादी निवास करती है अतः कृषि क्षेत्र एवं ग्रामीण क्षेत्र में कुटीर एवं लघु उद्योगों पर अधिक ध्यान इस बजट के माध्यम से दिया जाएगा, ताकि रोजगार के अवसर ग्रामीण इलाकों में ही निर्मित हों और नागरिकों के शहर की ओर हो रहे पलायन को रोका जा सके।

संपादकीय

हंगामा कितना सही

वक्फ कानून में संशोधन को लेकर बनाई गई संयुक्त संसदीय समिति की आखिरी बैठक में जबरदस्त हंगामा हुआ। दस विपक्षी सदस्यों को निलंबित करने के बाद बैठक सुचारू रूप से चली। भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए के चौदह प्रस्ताव पारित कर दिए, जबकि विपक्ष के तरफ रखे सभी 44 प्रस्ताव खारिज कर दिया गया। वक्फ बोर्ड.से प्रस्तावित दो गैर-मुस्लिम सदस्यों को हटाने के सुझाव प्रमुख थे, जिन्हें नामित करने को अनिवार्य बनाने का प्रस्ताव है। वक्फ संपत्ति पर विवाद होने पर कलेक्टर स्तर का अधिकारी जांच करेगा। यह कानून पिछले मामलों पर लागू नहीं होगा। जो वक्फ की संपत्तियां पंजीकृत नहीं हैं, उनका पंजीकरण शुरू होगा। जिन संपत्तियों पर वक्फ का कब्जा है, वे वापस मालिकों को मिल सकेंगी। आरोप लगाया जा रहा है कि ये प्रस्तावित कानून विधेयक के दमनकारी चरित्र को बरकरार रखेगा और मुसलमानों के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप करने प्रयास करेगा। विपक्ष इसका विरोध कर रहा है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को चोट पहुंचाने का आरोप लगा रहा है। वे संसद से मंजूरी मिलने पर सुप्रीम कोर्ट जाने की धमकी दे रहे हैं। जैसा कि भाजपा कांग्रेस के वोट बैंक की राजनीति में सुराख करने व गरीब मुसलमानों को उनका हक दिलाने के नाम पर इसे कानून बनाने की मशक्कत लंबे समय से कर रही है। तमाम विरोधों के बावजूद कुछ लोग कब्रिस्तान में होने वाले अतिक्रमणों व जबरन की जा रही अनधिकृत कब्जेदारी से निजात पाने के लिए इस निर्णय से खुश भी हैं। वक्फ संपत्तियों के प्रशासन व प्रबंधन के उद्देश्य से संशोधन विधेयक 2024 को लेकर अभी भी बड़ी चुनौतियां बनी हुई हैं। अनुमान है कि 2009 में वक्फ के पास चार लाख एकड़.जमीन थी, जो आठ लाख एकड़.तक जा पहुंची है। इनमें कब्रगाहों के अतिरिक्त मदरसों व मस्जिदों की जमीनें बताई जाती हैं। हालांकि धारा 104ए पहले ही वक्फ संपत्ति की बिक्री, उपहार, किसी भी तरह के बंधन या हस्तांतरण को प्रतिबंधित करता है। मगर वक्फ को दिए गए अधिकारों को लेकर लगातार सवाल उठाए जाते रहे हैं। चूंकि मोदी सरकार समुदाय विशेष के साथ पक्षपाती रवैया रखती है इसलिए उसके द्वारा लिए गए कोई भी निर्णय संदेह से परे नहीं माने जाते। विपक्ष को अपनी बात सलीके से रखनी चाहिए परंतु उसकी अनसुनी किया जाना तर्कसंगत नहीं कहा जा सकता। समिति को एकतरफा निर्णय लेने की बजाए मध्यमार्ग अपनाने के प्रति जबावदेह होना चाहिए।

चिंतन-मनन

जीना और मरना

जिस भांति हम जीते हैं, उसे जीवन नाममात्र को ही कहा जा सकता है। हमे न जीवन का पता है; न जीवन के रहस्य का द्वार खुलता है। न जीवन के आनंद की वष्रा होती है; न हम यह जान पाते हैं कि हम क्यों जी रहे हैं, किसलिए जी रहे हैं? हमारा होना करीब-करीब न होने के बराबर होता है। किसी भांति अस्तित्व ढो लेते हैं, जीवित रहते हुए मुर्दे की भांति। लेकिन ऐसा भी होता है कि मरते क्षण में भी कोई जीवंत होता है कि उसकी मृत्यु को भी हम मृत्यु नहीं कहते। बुद्ध की मृत्यु को हम मृत्यु नहीं कह सकते हैं और अपने जीवन को हम जीवन नहीं कह पाते हैं। कृष्ण की मृत्यु को मृत्यु कहना भूल होगी। उनकी मृत्यु को हम मुक्ति कहते हैं। उनकी मृत्यु को हम जीवन से और महाजीवन में प्रवेश कहते हैं। उनकी मृत्यु के क्षण में कौन-सी प्रांति घटित होती है, जो हमारे जीवन के क्षण में भी घटित नहीं हो पाती। किस मार्ग से वे मरते हैं कि परम जीवन को पाते हैं। और किस मार्ग से हम जीते हैं कि जीवत रहते हुए भी हमें जीवन की कोई सुगंध का भी पता नहीं पड़ता है। जिसे हम शरीर कहें, वह हमारे लिए कब्र से ज्यादा नहीं है, एक चलती-फिरती कब्र। और यह लंबा विस्तार जन्म से लेकर मृत्यु तक, बस आहिस्ता-आहिस्ता मरते जाने का ही काम करता है। ऐसे रोज-रोज और मौत के करीब पहुंचते हैं। हमारी सारी यात्रा मरघट पर पूरी हो जाती है। जीने का सब कुछ निर्भर है जीने के ढंग पर और मरने का भी सब कुछ निर्भर है मरने के ढंग पर। हमें जीने का ढंग भी नहीं आता। बुद्ध जैसे व्यक्ति को मरने का ढंग भी आता है। कृष्ण ने कहा है, ।हे अजरुन, जिस काल में शरीर त्यागकर गए योगीजन, पीछे न आने वाली गति और पीछे आने वाली गति को भी प्राप्त होते हैं, उस काल को, उस मार्ग को मैं तुमसे कहूंगा। इसमें दो-तीन बातें समझ लेनी चाहिए। जिस काल में, जिस क्षण में। बड़ा मूल्य है क्षण का, बड़ा मूल्य है काल का। उस क्षण का जिसमें कोई व्यक्ति मृत्यु को उपलब्ध होता है।

महाकुंभ में भगदड़ : कुप्रबंधन या वीआईपी संस्कृति का दुष्प्रभाव?

डॉ हिदायत अहमद खान

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज महाकुंभ में मंगलवार और बुधवार की मध्यरात्रि को हुई भगदड़ की घटना वास्तव में बेहद ही दुःखद और हृदयविदारक है। महाकुंभ जैसे विशाल आयोजन जहां करोड़ों श्रद्धालु आते हैं वहां भीड़ प्रबंधन सबसे बड़ी चुनौती होती है। एक छोटी सी असावधानी या किसी गलती के कारण इस तरह की भगदड़ से कई निर्दोष श्रद्धालुओं की जान चली जाती है, जबकि अनेक लोग घायल हो इलाज के लिए अस्पताल का रुख करते हैं। प्रयागराज महाकुंभ में हुई दुःखद घटना को लेकर राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित देश के तमाम बड़े नेताओं ने संवेदना व्यक्त की है। यह तो ठीक है, लेकिन सवाल यही है कि ऐसी घटनाएं बार-बार क्यों होती हैं? कभी कोई अफवाह भगदड़ का कारण बनती है तो कभी अचानक कोई छोटी घटना बड़ी भगदड़ का कारण बन जाती है। फिलहाल प्रयागराज महाकुंभ में श्रद्धालुओं की बड़ती संख्या और उस पर वीआईपी मूवमेंट पर ज्यादा ध्यान देना भगदड़ का कारण बताया जा रहा है। यह सच है कि भीड़ भरे इलाकों में जब-जब वीआईपी मूवमेंट को प्राथमिकता दी जाती है, तब-तब आम श्रद्धालुओं की सुरक्षा में कमी आ ही जाती है। ऐसे में भीड़ नियंत्रण के लिए बेहतर उपाय किए जाने की अक्सर सलाह दी जाती है, लेकिन एक चूक और आमजन की जान-जोखिम में पड़ जाती है, जैसा कि महाकुंभ के दौरान देखने में आया है। अतः ऐसी स्थिति में भीड़ नियंत्रण के साथ ही वीआईपी कल्चर वाले प्रबंधन पर भी विचार करने की आवश्यकता आन पड़ी है। प्रयागराज महाकुंभ में हुई भगदड़ की घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। इस हादसे में कई श्रद्धालुओं की जान चली गई और अनेक लोग घायल हो गए हैं, घायलों का उपचार प्रथम प्राथमिकता के साथ किया जा रहा है। ऐसे में जहां सत्ता पक्ष और विपक्ष के नेताओं ने घटना को लेकर गहरी संवेदनाएं और दुख जताया है वहीं हर बार की तरह, इस बार भी प्रशासन की तैयारियों को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। विपक्ष ने तो विशेष रूप से, भीड़ प्रबंधन और वीआईपी मूवमेंट को लेकर गहरी चिंताएं जताई हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इस घटना पर दुख व्यक्त करते हुए भीड़ नियंत्रण को लेकर सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि आम श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा से अधिक प्रशासन का ध्यान वीआईपी मूवमेंट पर रहता है, जिससे अव्यवस्था फैलती है। यहां राहुल गांधी ने बहुत सही कहा है कि वीआईपी संस्कृति पर रोक लगाकर बेहतर प्रबंधन किया जा सकता है। उन्होंने सरकार से यह सुनिश्चित करने की मांग भी की है कि आगे ऐसी घटनाएं न हों और आम श्रद्धालुओं की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाए। बात बहुत ही गंभीर है, लेकिन सवाल यही है कि क्या वीआईपी मूवमेंट को दरकिनार कर आमजन को सुविधाएं मुहैया कराए जाने पर कार्य किया जा सकता है? इसके लिए आमजन की जिम्मेदारी तय करना मुश्किल बात है, लेकिन सरकार चाहे तो वीआईपी कल्चर पर रोक लगाते हुए खुद अपने स्तर पर जनसुविधाओं को बेहतर करने का काम कर सकती हैं। वीआईपी सुरक्षा के नाम पर जिस तरह से आमजन की भीड़ को नियंत्रित करने की परंपरा है, उसे बदलना फिलहाल किसी के बूते की बात नहीं है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि वीआईपी सदा से ही अपराध जगत के निशाने पर रहते आए हैं। ऐसे में अपराधी भीड़ का सहारा लेकर वीआईपी पर हमले करते रहे हैं और देश ने ऐसे ही हमलों में अपने हरदिल अजीज अनेक नेताओं को खोया भी है। इसलिए वीआईपी कल्चर बदलने से पहले देश में अपराध और अपराधियों को रोकने का माकूल इंतजाम करना होगा।

गांधी निर्वाण दिवसः अब बनने लगा है गांधी के सपनों का भारत

ललित गर्ग

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के निर्वाण दिवस जब हम नये भारत-सशक्त भारत को विकसित होते हुए देखते है तो प्रतीत होता है कि यह गांधी के ही सपनों का भारत बन रहा है। कांग्रेस की पूर्व सरकारों ने गांधी की केवल मूर्तियां स्थापित की, लेकिन भाजपा सरकार अपनी नीतियों में गांधी दर्शन को लागू कर रही है। गांधी के अहिंसा दर्शन को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी न केवल देश में बल्कि दुनिया में स्थापित कर रहे हैं। गांधी की अहिंसा ने भारत को गौरवान्वित किया है, भारत ही नहीं, दुनियाभर में अब उनकी जयन्ती को बड़े पैमाने पर अहिंसा दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। महात्मा गांधी महानायक के रूप में ही नहीं, देवनायक के रूप में लोकतंत्र के मजबूत आधार एवं संकटमोचक है। संसद से लेकर सड़क तक, कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक और व्यक्ति से लेकर विचार बनने तक जीवन के हर नीति में, हर दृष्टिकोण में, हर मोड़ पर गांधी की व्याप्ति है। भारत का स्वतंत्रता संग्राम हो या फिर नये भारत की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक परिस्थितियां हमारी हर सोच में, हर क्रियाएं में, हर नीति में गांधी का होना यह दर्शा रहा है कि आज गांधी पूर्व सरकारों की तुलना में ज्यादा जीवंत बने हैं।

महात्मा गांधी के विचार एवं दर्शन पर ही मोदी सरकार की योजनाएं एवं नीतियां आगे बढ़ रही है। इस बात का खुलासा स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने करते हुए कहा है कि उनके सबका साथ, सबका विकास के विचार की प्रेरणा 1980 के दशक की है। मोदी ने अपने हाथ से लिखे एक नोट्स में इस विचार के बारे में काफी पहले ही लिख दिया था। मोदी द्वारा लिखे गए नोट्स से पता चलता है कि महात्मा गांधी के आदर्शों ने उनके जीवन पर गहरा प्रभाव छोड़ा है, जो केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं में भी स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ता है। जिसमें युवा मोदी ने महात्मा गांधी के विचारों उद्धरत करके लिखा था, मैं सबसे बड़ी संख्या की सबसे बड़ी भलाई के सिद्धांत में विश्वास नहीं करता। यह 51 प्रतिशत की अच्छाई के लिए 49 प्रतिशत की भलाई का त्याग करना है। यह सिद्धांत एक क्रूर सिद्धांत है। इसके माध्यम से मानवता को काफी नुकसान हुआ है। मानवता के लिए एक मात्र सिद्धांत है कि सभी के लिए भलाई के काम में विश्वास करना।ह्व मोदी सरकार सभी की भलाई के लिये काम करते हुए गांधी दर्शन को ही आगे बढ़ा रही है।

मोदी का स्वच्छता मिशन गांधी की स्वच्छता सोच को ही आगे बढ़ाने का उपक्रम है। राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) भी गांधी के नाम पर चल रही योजना है। भारतीय मुद्रा से लेकर शासन-प्रशासन के हर कार्यस्थल पर गांधी है। हम गांधी के संवाद और सहिष्णुता के सिद्धान्तों को अपनाते हुए युद्ध, आतंकवाद और हिंसा को निस्तेज बना रहे हैं। दलित-आदिवासियों को न्याय और सम्मानपूर्ण जीवन प्रदत्त कर रहे हैं तो भारतीय संस्कृति एवं सांस्कृतिक पुनरुत्थान में जुटे हैं। भारत माता, गौ माता और गंगा माता के सांस्कृतिक एवं धार्मिक चिन्तन को आगे बढ़ाते हुए गांधी की मूल अवधारणा को ही आगे बढ़ते हुए देख रहे हैं। आज गांव, गरीब और स्वराज में गांधी की ही सोच आगे बढ़ रही है कि आज भारत में लोकतंत्र की चाल, चेहरा और चरित्र बदला जा रहा है तथा आस्थाओं की राजनीति को बल देते हुए जाति-धर्म का उन्माद नियंत्रित किया जा रहा है। महात्मा गांधी, आंबेडकर और दीनदयाल उपाध्याय आज इसलिए भारत निर्माण की नई व्याख्याओं में सबसे आगे हैं। वसुधैव कुटुम्बकम एवं सर्वधर्म सद्भाव का विचार आज सर्वाधिक बलशाली बन कर दुनिया के लिये आदर्श बन गया है।

मानव ने ज्ञान-विज्ञान में आश्चर्यजनक प्रगति की है। परन्तु अपने और औरों के जीवन के प्रति सम्मान में कमी आई है। विचार-क्रान्तियां बहुत हुईं, किन्तु आचार-स्तर पर क्रान्तिकारी परिवर्तन कम हुए। शान्ति, अहिंसा और मानवाधिकारों की बातें संसार में बहुत हो रही हैं, किन्तु सम्यक्-आचरण का अभाव अखरता है। गांधीजी ने इन स्थितियों को गहराई से समझा और अहिंसा को अपने जीवन का मूल सूत्र बनाया। यदि अहिंसा, शांति और समता की व्यापक प्रतिष्ठा नहीं होगी तो भौतिक सुख-साधनों का विस्तार होने पर भी मानव शांति की नींद नहीं सो सकेगा। महात्मा गांधी के सच्चे उत्तराधिकारी के रूप में नरेन्द्र मोदी हमारे सामने हैं, उनके प्रभावी एवं चमत्कारी नेतृत्व में हम अब वास्तविक आजादी का स्वाद चखने लगे हैं, आतंकवाद, जातिवाद, क्षेत्रीयवाद, अलगाववाद की कालिमा धूल गयी है, धर्म, भाषा, वर्ग, वर्ण और दलीय स्वार्थों के राजनीतिक विवादों पर भी नियंत्रण हो रहा है। इन नवनिर्माण के पदचिन्हों को स्थापित करते हुए हम गांधी को जीवंत बनाये हुए है, यही कारण है कि कभी हम स्कूलों में शोचालय की बात सुनते है तो कभी गांधी जयन्ती के अवसर पर स्वयं झाड़ू लेकर स्वच्छता अभियान का शुभारंभ करते हुए मोदी को देखते हैं। मोदी कभी विदेश की धरती पर हिन्दी में भाषण देकर राष्ट्रभाषा को गौरवान्वित करते है तो कभी ह्लमेक इन इंडियाह्व का शंखनाद कर देश को न केवल शक्तिशाली बल्कि आत्म-निर्भर बनाने की ओर अग्रसर करते हैं। नई खोजों, दक्षता, कौशल विकास, बौद्धिक संपदा की रक्षा, रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी उत्पादन, श्रेष्ठ का निर्माण-ये और ऐसे अनेकों गांधी के सपनों को आकार देकर सचमुच लोकतंत्र एवं राष्ट्रीयता को सुदीर्घ काल के बाद सार्थक अर्थ दिये जा रहे हैं।

हम देशवासियों के लिये अपूर्व प्रसन्नता की बात है कि गांधी की प्रासंगिकता चमत्कारिक ढंग से बढ़ रही है। देश एवं दुनिया उन्हें नए सिरे से खोज रही है। उनको खोजने का अर्थ है अपनी समस्याओं के समाधान खोजना, युद्ध, हिंसा एवं आतंकवाद की बढ़ती समस्या का समाधान खोजना। शायद इसीलिये कई विश्वविद्यालयों में उनके विचारों को पढ़ाया जा रहा है, उन पर शोध हो रहे हैं। आज भी भारत के लोग गांधी के पदचिन्हों पर चलते हुए अहिंसा, शांति, सह-जीवन, स्वदेशी का समर्थन करते हैं। गांधीजी आज संसार के सबसे लोकप्रिय भारतीय बन गये हैं, जिन्हें कोई हैरत से देख रहा है तो कोई कौतुक से। इन स्थितियों के बावजूद उनका विरोध भी जारी है। उनके व्यक्तित्व के कई अनजान और अंधेरे पहलुओं को उजागर करते हुए उन्हें पतित साबित करने के भी लगातार प्रयास होते रहे हैं, लेकिन वे हर बार ज्यादा निखर कर सामने आए हैं, उनके सिद्धान्तों की चमक और भी बढ़ी है। वैसे यह लम्बे शोध का विषय है कि आज जब हिंसा और शस्त्र की ताकत बढ़ रही है, बड़ी शक्तियां हिंसा को तीक्ष्ण बनाने पर तुली हुई हैं, उस समय अहिंसा की ताकत को भी स्वीकारा जा रहा है। यह बात भी थोड़ी अजीब सी लगती है कि पूंजी केन्द्रित विकास के इस तूफान में एक ऐसा शख्स हमें क्यों महत्वपूर्ण लगता है जो आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था की वकालत करता रहा, जो छोटी पूंजी या लघु उत्पादन प्रणाली की बात करता रहा। सवाल यह भी उठता है कि मनुष्यता के पतन की बड़ी-बड़ी दास्तानों के बीच आदमी के हृदय परिवर्तन के प्रति विश्वास का क्या मतलब है? जब हथियार ही व्यवस्थाओं के नियामक बन गये हों तब अहिंसा की आवाज कितना असर डाल पाएगी? एक वैकल्पिक व्यवस्था और जीवन की तलाश में सक्रिय लोगों को गांधीवाद से ज्यादा मदद मिल रही है।

आज जबकि समूची दुनिया में संघर्ष की स्थितियां बनी हुई हैं, हर कोई विकास की दौड़ में स्वयं को शामिल करने के लिये लड़ने की मुद्रा में है, कहीं सम्प्रदाय के नाम पर तो कहीं जातीयता के नाम पर, कहीं अधिकारों के नाम पर तो कहीं भाषा के नाम पर संघर्ष हो रहे हैं, ऐसे जटिल दौर में भी संघर्षरत लोगों के लिये गांधी का सत्याग्रह ही सबसे माकूल हथियार नजर आ रहा है। पर्यावरणवादी हों या अपने विस्थापन के विरुद्ध लड़ रहे लोग, सबको गांधीजी से ही रोशनी मिल रही है। गांधी की अहिंसा से सहयोग, सहकार, सहकारिता, समता और समन्वय जैसे उत्तम व उपयोगी मानवीय मूल्य जीवन्त हो रहे हैं। समस्त समस्याओं का समाधान भी एक ही है, वह है-अहिंसा। अहिंसा व्यक्ति में ह्यवसुधैव कुटुम्बकम्ह्व की विराट भावना का संचार करती है। मनुष्य जाति युद्ध, हिंसा और आतंकवाद के भयंकर दुष्परिणाम भोग चुकी है, भोग रही है और किसी भी तरह के खतरे का भय हमेशा बना हुआ है। मनुष्य, मनुष्यता और दुनिया को बचाने के लिए गांधी से बढ़कर कोई उपाय-आश्रय नहीं हो सकता।

आज का मुद्दा समाचार पत्र का प्रत्येक अंक मां गंगा और सिद्ध पीठ बाबा बालक नाथ मंदिर सेक्टर 62 नोएडा के चरणों में समर्पित : स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं संपादक मनोज वत्स द्वारा वत्स ऑफसेट मुद्दा हाउस सी ब्लॉक बरात घर चौड़ा रघुनाथपुर सेक्टर 22 नोएडा गौतम बुध नगर उत्तर प्रदेश से मुद्रित करा कर मुद्दा हाउस सी ब्लॉक बरात घर चौड़ा रघुनाथपुर सेक्टर 22 नोएडा गौतम बुद्ध नगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित किया मुख्य संपादक के.जी.शर्मा **RNI.NO.UPHIN/2011/37197,** 9310549614
किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।

महाकुंभ में तीन शंकराचार्यों ने किया अमृत स्नान

नागा साधुओं ने तलवार लहराईं, श्रद्धालुओं ने पैरों की धूल बटोरी, हेलिकॉप्टर से फूल बरसाए

प्रयागराज। महाकुंभ का 29 जनवरी को 17वां दिन है। मौनी अमावस्या पर सबसे पहले तीन शंकराचार्यों ने अमृत स्नान किया। अब साधु-संत छोटे-छोटे ग्रुप में अपने इष्टदेव के साथ सांकेतिक रूप से संगम स्नान कर रहे हैं। जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज रथ पर निकले। नागा साधुओं ने तलवार लहराईं। जयकारे लगाते हुए संगम घाट पहुंचे। निरंजनी अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर कैलाशानंद गिरि महाराज ने संगम में डुबकी लगाई। हेलिकॉप्टर से संतों और श्रद्धालुओं पर फूलों की बारिश की गई। इससे पहले तड़के अखाड़ों के साधु-संत अमृत स्नान के लिए निकले थे। इस बीच, भगदड़ के बाद संगम पर हालात बेकाबू हो गए। प्रशासन ने तुरंत अखाड़ों से अपील की- स्नान के लिए न जाएं। साधु-संतों ने बैठक की। पहले तय हुआ कि अखाड़ों के साधु-संत मौनी अमावस्या पर स्नान नहीं करेंगे। हालात पर 3 घंटे में काबू पा लिया गया। सीएम ने अखाड़ों से बात की। संत अमृत स्नान के लिए राजी हो गए। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने बताया, 'हम अपने देवता के साथ सांकेतिक अमृत स्नान करेंगे। कोई बड़ा जुलूस नहीं निकालेंगे।' अब तक 5.71 करोड़ लोगों ने संगम में डुबकी लगाई है। वहीं, 28 जनवरी तक 20 करोड़ लोग महाकुंभ में स्नान कर चुके हैं। प्रशासन की कोशिश है कि आसपास के घाटों पर स्नान करने के बाद श्रद्धालुओं को वापस किया जाए। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने कहा, हम अमृत स्नान के लिए जा रहे हैं। हजारों संत और नागा संन्यासी मेरे साथ हैं। हम जल्द ही घाटों से हट जाएंगे। ताकि श्रद्धालु पवित्र स्नान कर सकें। दिगंबर अखाड़े के साधु-संत बैंड बाजे के साथ अमृत स्नान के लिए निकले हैं। आगे-आगे धर्म ध्वजा थामें संत चल रहे हैं। श्रृंगेरी शारदा पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी विधु शेखर भारती जी, द्वारका शारदा पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती जी और ज्योतिष पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज ने संगम में डुबकी लगाई। जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज ने कहा, बहुत आनंद आ रहा है। आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति हो रही है। निरंजनी अखाड़े के महामंडलेश्वर आचार्य स्वामी कैलाशानंद गिरि ने संगम तट पर अमृत स्नान किया। उन्होंने कहा, आज हमने गंगा पूजन किया और लोगों की शांति और समृद्धि के लिए पूजा की। मैं प्रशासन और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को 'स्नान' के लिए किए गए सभी इंतजामों के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज ने कहा, देश के तीनों शंकराचार्य आज यहां पवित्र स्नान करने जा रहे हैं। कल देर रात हुई घटना दुर्भाग्यपूर्ण है और सभी दुखी हैं लेकिन हमें सतर्क रहना चाहिए कि भविष्य में ऐसी कोई घटना न हो। मैं श्रद्धालुओं से अपील करता हूं कि वे धैर्य रखें और कुंभ क्षेत्र में कहीं भी पवित्र स्नान करें। ऐसा कोई विशेष स्थान नहीं है जहां श्रद्धालु डुबकी लगाने के लिए एकत्र हों। जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज ने कहा- हमने सोचा कि हमारी वजह से श्रद्धालुओं को परेशानी न हो, इसलिए हमने स्नान स्थगित कर दिया। अब स्थिति नियंत्रण में है, इसलिए हम स्नान करने आए हैं। सभी अखाड़े एक साथ स्नान करने जा रहे हैं। मेरा संदेश है कि भारत एक होना चाहिए और हमें जातियों के आधार पर नहीं बंटना चाहिए...हम हिंदू हैं, हम सनातनी हैं। जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद महाराज और महंत हरि गिरि समेत बड़ी संख्या में साधु-संत स्नान के लिए अखाड़े से रवाना हुए हैं। मौनी अमावस्या के अवसर पर त्रिवेणी संगम पर पवित्र स्नान कर रहे साधु-संतों पर पुष्प वर्षा की गई। नागा साधु अमृत स्नान के लिए संगम जा रहे हैं। हाथों में त्रिशूल, तलवार और डमरू लिए नागा साधु हर-हर महादेव का जयकारा लगा रहे हैं। निरंजनी अखाड़े के महामंडलेश्वर कैलाशानंद महाराज रथ पर सवार होकर अमृत स्नान के लिए निकले। बाकी साधु-संत पैदल चल रहे हैं। महाकुंभ मेला क्षेत्र में कई पांटून पुल बंद होने से लोगों में गुस्सा है। पैदल चलते-चलते लोग परेशान हैं। पुलिस से लोगों से लगातार बहस हो रही है। मौनी अमावस्या पर अमृत स्नान के बाद पंचायती निरंजनी अखाड़े के दिगंबर नागा बाबा चिदानंद पुरी ने कहा, आज एक अप्रत्याशित घटना के कारण हमारी (अखाड़ों की) शोभा यात्रा नहीं निकाली जा सकी। अब हम कम संख्या में पवित्र डुबकी लगाने आ रहे हैं। महाकुंभ के दौरान त्रिवेणी संगम पर दूसरे अमृत स्नान पर एक साधु ने कहा, इस पवित्र अवसर पर सभी को गंगा नदी में पवित्र डुबकी लगानी चाहिए। कुछ दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं हुईं, जिसके कारण अव्यवस्था फैली।

बौद्ध भिक्षुओं के धम्म वंदना व पूजन के बीच पवित्र स्तूप का हुआ उद्घाटन

संवाददाता

कसया, कुशीनगर । बुद्ध स्थली कुशीनगर स्थित श्रीलंका बुद्ध बिहार में धम्म स्तूप का उद्घाटन इंटरनेशनल त्रिपीटिका चंटिंग काउन्सिल की डाईरेक्टर वंगमो डिकसे ने बौद्ध भिक्षुओं के धम्म पाठ और विधिवत पूजन अर्चन कर किया। कुशीनगर में आयोजित इंटरनेशनल चंटिंग में आयी वंगमो डिकसे ने बीते शनिवार को उद्घाटन के पश्चात स्तूप के महत्व को बताया ' तीन माह पूर्व बोधगया से मंगाए गए स्तूप को श्रीलंका बुद्ध बिहार में स्थापित किया गया है ' बुद्ध बिहार के मुख्य भंते डॉ नन्द रतन महा ठेरो ने कहा कि शुभ वर्ष 2024 में कई पवित्र स्थलों पर बुद्ध बचन का पाठ हुआ ' जिसके स्मृति मे 23 स्तूप बनाये गए ' ये स्तूप शाक्य मुनि बुद्ध, धर्म, कलतीत प्रकृति और संघ, पाठ को रखने वाले लोगों व मुक्ति का उज्वल मार्ग व संवेदनशील प्राणियों के लिए दयालु प्रदर्शन का प्रतीक है ' इस दौरान भंते ऊ नंदका, भंते विनय कीर्ति, भंते शील रतन, भंते तेजेंद्र, भंते अलोक, धम्म श्री आदि सहित अमेरिका, कम्बोडिया, वियतनाम, लाओस, वर्मा, श्रीलंका, थाई के भिक्षु व उपासक मौजूद थे।

स्वागत से अभिभूत राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के जिला अध्यक्ष विनोद सिंह ने कहा और मजबूत होगा संगठन

संवाददाता

कसया कुशीनगर । श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के नवागत जिलाध्यक्ष किस्मत सिंह उर्फ विनोद सिंह के प्रथम जनपद आगमन पर सेना के पदाधिकारियों ने फूल मलाओं से जोरदार स्वागत किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी व प्रदेश अध्यक्ष राकेश सिंह रघुवंशी के अनुमोदन पर प्रदेश सदस्यता प्रभारी श्री उपेन्द्र प्रताप सिंह ने 26 जनवरी को श्री सिंह को कुशीनगर जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है ' नव नियुक्त जिला अध्यक्ष विनोद सिंह जैसे ही जनपद की सीमा में प्रवेश किये सुकरौली, हेतिमपुर, कुशीनगर, कसया ओवर ब्रिज व बाड़ी पुल आदि दर्जनों जगहों पर स्वागत किया गया ' श्री सिंह ने कहा कि संगठन ने जो जिम्मेदारी सौंपी है उसको पूरे मनोयोग से निर्वहन किया जायेगा और राजपूत समाज पर होने वाले हर प्रहार का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि संगठन के मजबूत बनाने के लिए हर ग्राम सभाओं में सदस्य बनाया जायेगा. संगठन के द्वारा दी गई जिम्मेदारियों को पद की गरिमा को रखते हुए बेखुबी निर्वहन किया जायेगा पूरे जिले में अपने संगठन को एक अलग पहचान बनायेंगे ' इस मौके पर विनय प्रताप राव, आदर्श प्रताप सिंह, अरुण प्रताप राव, अभिषेक सिंह, डा. रितेश सिंह, गंगेश सिंह, मनोज प्रताप राव, सिंटू राव, जितेंद्र सिंह, नवीन सिँह, मिंटू सिंह, विंध्यवासिनी चौरसिया मौजूद थे '

लखनऊ में कैंपस ड्राइव में पहुंचे 1500 से ज्यादा स्टूडेंट

लखनऊ । राजकीय पॉलिटेक्निक में बुधवार को टाटा मोटर्स के कैंपस ड्राइव के दूसरे दिन भी स्टूडेंट्स की जबरदस्त भीड़ उमड़ी। इनमें बड़ी संख्या फीमेल स्टूडेंट्स की रही। जॉब के साथ बीटेक की डिग्री हासिल करने को लेकर स्टूडेंट्स में जबरदस्त रुझान दिखा। सुबह करीब 9 बजे से शुरू हुए इंटरव्यू शाम 5 बजे तक जारी रहा। हालांकि, कुछ स्टूडेंट्स इंटरव्यू के दौरान पूछे जाने वाले सवालों में असहज भी होते दिखे। बड़ी बात ये रही कि प्रदेशभर के कई जिलों से स्टूडेंट्स इस कैंपस ड्राइव में भाग लेने पहुंचे थे। राजकीय पॉलिटेक्निक लखनऊ के प्रधानाचार्य संजीव सिंह ने बताया कि पहले दिन 1200 स्टूडेंट्स ने इंटरव्यू दिया। वहीं बुधवार को दूसरे और अंतिम दिन भी बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स कैंपस ड्राइव में शामिल होने पहुंचे। ज्यादातर स्टूडेंट्स ने इंटरव्यू के दौरान सही जवाब दिए। उम्मीद है कि बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स का फाइनल सिलेक्शन होगा। राजकीय पॉलिटेक्निक लखनऊ के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल ऑफिसर डॉ. एसपी सोनी ने बताया कि टाटा मोटर्स के नाम पर स्टूडेंट्स में गजब का उत्साह दिख रहा है।

कामायनी फाउंडेशन द्वारा वाराणसी में गरीब एवं असहाय लोगों को वितरित किए कम्बल

संवाददाता

वाराणसी/ग्रेटर नोएडा। कामायनी फाउंडेशन के द्वारा गरीब एवं असहाय लोगों को ठंड एवं शीतलहरी से बचने हेतु गण मान्य व्यक्तियों के नेतृत्व में कासी विश्वनाथ की नगरी जनपद वाराणसी में विभिन्न स्थानों पर गरीबों के बीच कंबलों का वितरण कराया जा रहा है। इसी श्रृंखला में कामायनी फाउंडेशन द्वारा संस्थापक/राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीन कुमार सैन,गाजियाबाद निवासी नरेंद्र सिंह, नरेश सिंह, ग्राम पिपाला इखलाशपुर निवासी बिजेंद्र सिंह के नेतृत्व में गरीबों के बीच कंबलों का वितरण किया गया। इस दौरान कामायनी फाउंडेशन के संस्थापक/राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीन कुमार सैन जी बताया कि ह्लओढ़ेगा भारतह्व मुहिम के तहत कंबलों का वितरण किया जा रहा है और कामायनी फाउंडेशन द्वारा जल्द ही गरीब व असाह परिवारों की बेटियों को शादी हेतु भी मदद के लिए कार्ययोजना तैयार कि जा रही है ' उन्होंने यह भी बताया कि कन्या दान महा दान होता हैं ' इसमे हम सभी को बढ़ चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए ' हमारा कामायनी फाउंडेशन जरूरतमंद लड़कियों और महिलाओं के उत्थान के लिए उन्हें शिक्षा,रोजगार, सामाजिक समर्थन प्रदान करना लड़कियों की शादी के लिए आर्थिक मदद प्रदान करने के साथ महिलाओं के अधिकारो के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए कार्यक्रम आयोजित करना है '

कृषि भ्रमण से लौटे किसान ने विभिन्न खेती के बताये लाभ

कुशीनगर । रामकोला विकास खण्ड के ग्राम सौनहा में उप्र गन्ना किसान संस्थान प्रशिक्षण केन्द्र पिपराइच गोरखपुर द्वारा वसंतकालीन गन्ना गोष्ठी का आयोजन कर किसानों को गन्ने की सह फसली खेती की जानकारी दी गयी तो दक्षिण भारत से कृषि अध्ययन कर लौटे किसान लक्ष्मी प्रताप मल्ल ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि दो एकड़ में गन्ने के साथ आलू बोया हूं जो प्रति एकड़ 100 से 110 दिन में तैयार होगा ' जो प्रति एकड़ 60 से 90 कुंतल होगा ' गन्ना संस्थान के पूर्व सहायक निदेशक ओम प्रकाश गुप्ता ने गन्ने की अधिक उपज देने वाली प्रजाति को.0118, को. शा. 13235, 18231, को.से. 8452, को.शा.9232 की बुवाई की सलाह दी ' जिन खेतों में पानी लगता है उसमे यू.पी. 5125 को.शा. 10239, को. पी. 9301, बोये, जल भराव वाले खेतों में अधिक पानी की दशा में कोई प्रजाति सफल नही होगी, लगातार एक खेत में गन्ना न बोयें ' भूमि उपचार के लिए ट्राईकोडर्मा मात्रा 4 किग्रा. प्रति एकड़ गोबर की सड़ी खाद में मिलाकर, 4 से 6 दिन किसी छाया में रखे, अंतिम जुताई के समय प्रयोग करें। ध्यान रहे जिस किसान को एक एकड खेत से 180 से 200 कुंतल गन्ना निकल रहा है। उसको गन्ना से कोई लाभ नहीं मिलेगा ' बुवाई, मजदुरी व चीनी मिल भेजने में 45 से 50 हजार रुपया एक एकड़ में खर्च आ रहा है ' श्री गुप्ता ने बताया कि इस समय गन्ने के साथ प्याज की रोपाई करे, भिण्डी, मूंग, लोबिया की सहफसली खेती करें। प्रशिक्षण के बाद किसान के खेत पर मिलिए कार्यक्रम में श्री गुप्ता ने दक्षिण भारत की प्रशिक्षण यात्रा से लौटे किसान श्री मल्ल के खेत पर जाकर गन्ना आलू देखा उनसे बातचीत किया ' किसान सिंह ने बताया कि गन्ना प्रजाति को. 0118 दो एकड़ में 30 अक्टूबर को गन्ना ट्रेन्च विधि से बोया ' उसमें आलू की प्रजाति कुफरी चन्द्रमुखी आलू 3 नवंबर को बोया हूँ। झुलसा रोग से बचाने के लिए दो बार फफूंदीनाशक, का छिड़काव किया हूँ ' आलू का बीज कन्द एक एकड़ में लगभग 6.5 से 7 कुन्तल लगा है ' लगभग एक लाख से अधिक का होगा ' आशीष मल्ल ने गन्ने में सरसों दिखाया ' बताया कि 6 से 7 कुंतल एकड़ होगा। कृषि विशेषज्ञ विपिन कुमार तिवारी ने बताया कि पिहिका कीट नियंत्रण के लिए बुवाई के समय डिकोरेल मात्रा 7.5 किग्रा एक एकड़ मे प्रयोग करें।

संक्षिप्त डायरी

दुष्कर्म एवं कत्ल की वारदात को अंजाम देने वाले दो गुनाहगारों को उम्रकैद की सजा, दो लाख रुपये का जुमार्ना

संवाददाता

एडीजीसीः विशम्भर पाल, महेश चन्द्र

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर के मझगवां गाँव में 1 जनवरी 2023 को गांव की ही एक 35 वर्षीय महिला जंगल में लकड़ी लेने गई हुई थी, जब शाम 6 बजे तक वो वापस घर लौटकर नहीं आई, तो महिला के घरवालों ने उसे ढूंढना शुरू किया, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला, जबकि 2 जनवरी को करीब 11 बजे सुबह को जंगल की झाडियों में कालीचरन की पत्नी का शव पड़ा हुआ मिला। वारदात के मुताबिक कालीचरन की पत्नी के साथ दुष्कर्म के बाद कत्ल की वारदात को अंजाम देकर अभियुक्तों ने शव को गॉव के जंगल की झाडियों में फेंक दिया गया था। इस सनसनीखेज मामले में 35 वर्षीय मृतक महिला के पति कालीचरन की तहरीर पर मझगवां थाने में 2 जनवरी 2023 को अ०सं०- 03/2023 धाराझ 376डी, 302,34,201 आईपीसी के तहत थानाक्षेत्र के ग्राम झिन्नीवीरा निवासी अभियुक्त करन ढीमर पुत्र मोहन सहित थाना क्षेत्र के ही गुगरवारा निवासी राम प्रकाश पुत्र कालीचरन खंगार हमीरपुर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था, जबकि आपरेशन कन्विक्शन के तहत 28 जनवरी 2025 को हमीरपुर की अपर जिला सत्र एफटीसी अदालत के स्कालर जज मनोज कुमार शासन ने अभियुक्त करन ढीमर सहित रामप्रकाश को गुनाहगार मानते हुये धारा 376डी, 302,34,201आईपीसी के तहत उम्रकैद की सजा के साथ ही हुआ दो लाख रुपये का हुआ जुमार्ना, जबकि जुमार्ने की रकम से अस्सी हजार रुपये बतौर मुआवजा मृतक के वारिसान को देने का आदेश हुआ है, जबकि इस सनसनीखेज मामले की जांच आईओ तत्कालीन मझगवां एसओ पंकज तिवारी ने पूरी करते हुये अदालत में चार्जशीट दाखिल की थी,वहीं अभियोजन की तरफ से अदालत में जोरदार पैरवी करते हुये एडीजीसी विशम्भर पाल सहित महेश चन्द्र ने अपनी दमदार दलीलों से बचाव पक्ष के वकीलों की बोलती बंद कर दोनों शातिर अभियुक्तों को उम्रकैद की सजा के साथ ही दो लाख रुपये का जुमार्ना कराने में बड़ी कामयाबी हासिल की।

हत्या की कोशिश के तीन गुनाहगारों को सात- सात साल की सख्त सजा, 13500 रुपये का जुर्मान

संवाददाता

एडीजीसीः मणिकर्ण शुक्ल

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश के हमीरपुर के सुमेरपुर में 30 मई 2010 को अभियुक्तों ने पीड़ित के साथ गाली गलौज कर जान से मारने के इरादे से तमंचे से फायर कर दिया। जिसके बाद पीड़ित की तहरीर पर चार लोगों के खिलाफ विदोखर मेंदनी निवासी मनमोहन सिंह पुत्र मलखान, जबकि पत्योरा निवासी लल्ला सिंह उर्फ अरविन्द सिंह पुत्र बलवान सिंह, रेलवे क्रासिंग निवासी बब्लू सिंह उर्फ बब्बू सिंह उर्फ सबल सिंह पुत्र शिवसिंह सहित डब्लू सिंह उर्फ जगमोहन सिंह पुत्र मलखान सिंह निवासी विदोखर मेंदनी थाना सुमेरपुर हमीरपुर(मृतक) के खिलाफ सुमेरपुर थाने में अ०सं० 1142/2010 धाराझ 307/34,504,506 आईपीसी के तहत मामला दर्ज किया गया था। जबकि आपरेशन कन्विक्शन के तहत 28 जनवरी 2025 को हमीरपुर की डकैती अदालत के स्कालर जज अनिल कुमार खरवार ने हिस्ट्रीशीटर अभियुक्त(एचएस नं० 379ए) 1. लल्ला सिंह उर्फ अरविन्द सिंह पुत्र बलवान सिंह 2. मनमोहन सिंह पुत्र मलखान सिंह 3. बब्लू सिंह उर्फ बब्बू सिंह उर्फ सबल सिंह पुत्र शिवसिंह को गुनाहगार मानते हुये सात-सात साल की सजा के साथ ही प्रत्येक को चार हजार पांच सौ रुपए का जुमार्ना सुनाया, हालांकि अदालत में मामले की सुनवाई के दौरान चौथे अभियुक्त की मौत हो गई थी, जबकि मामले की जांच एस आई वासुदेव यादव ने की, वहीं अभियोजन की तरफ से जोरदार पैरवी एडीजीसी मणिकर्ण शुक्ला सहित अशोक शुक्ला ने की।

कुंभ हादसाः कौन जिम्मेदार, प्रशासन या खुद श्रद्धालु या सरकार

संवाददाता

स्वयंसेवी संस्था सफलता एक संकल्प की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और प्रसिद्ध समाज सेविका रश्मि तिवारी ने कुंभ हादसे पर अपनी संवेदनाएं प्रकट करते हुए कहा कि यह अत्यंत दुखद घटना है जिसमें श्रद्धालुओं ने अपने परिवार जनों को खो दिया और कुछ श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल है इस हादसे का दोषी कौन है क्या प्रशासन या खुद श्रद्धालु यह एक विचारणीय विषय है प्रशासन की तरफ से जिसमें राज्य और केंद्र सरकार भी शामिल है महा कुंभ का प्रचार अपनी उपलब्धि के रूप में किया गया तथा इसका प्रचार प्रसार इस तरह से किया के लोग इस महाकुंभ पर्व में शामिल होने भारी संख्या में चले आए प्रशासन की तरफ से व्यापक तैयारी का ढिंढोरा पीटा गया ऐसा नहीं है कि प्रशासन ने तैयारी नहीं की थी प्रशासन ने अपनी तरफ से ज्यादा से ज्यादा तैयारी कर कर इस आयोजन को सफल बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी परंतु अपेक्षा के अनुरूप या यह कहे की अपेक्षा से ज्यादा श्रद्धालु धर्म लाभ उठाने के लिए संगम की तरफ देश के विभिन्न इलाकों से पहुंचना शुरू हो गए लोगों को यह लगने लगा कि शायद उनके पाप इस माह कुंभ में नहा कर समाप्त हो जाएंगे और उनका जीवन सफल हो जाएगा।

जबकि उन्होंने यह नहीं सोचा कि अगर सद कर्म करोगे तो गंगा स्नान की जरूरत ही नहीं। लेकिन यह मामला सनातन की आस्था से जुड़ा हुआ है इसलिए इसमें कुछ भी कहना उचित नहीं है परंतु इस हाथ से की जवाबदेही तय होनी चाहिए और जो भी जिम्मेदार हो इस हादसे का उसपर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए रश्मि तिवारी ने प्रशासन से अपील की है कि मृतकों के पार्थिक शरीर जल्द से जल्द परिवार जनों को सौंपकर उसके मूल स्थान तक पहुंचने की व्यवस्था करें तथा गंभीर रूप से घायल और घायलों की चिकित्सा के लिए व्यापक प्रबंध करें और गैरों के परिवार जनों के रहने की भी समुचित व्यवस्था की जाए। और एक मुआवजे राशि का तुरंत से तुरंत प्रबंध कराकर परिवारों की आर्थिक मदद की जाए। और आने वाले महा स्नान को देखते हुए व्यापक सुरक्षा प्रबंध भी किए जाएं के इस प्रकार की घटना दोबारा ना हो सके। रश्मि तिवारी ने सभी सनातनियों से प्रार्थना की है कि वह अपने निकट की गंगा मैया के तट पर जाकर ही आने वाले पर्वों में स्नान करें तथा भीड बाढ़ से बचने का प्रयास करें।

ऐतिहासिक धरोहर, प्राकृतिक सौंदर्य और शांति का अनुभव कराता गंडिकोटा

गंडिकोटा, आंध्र प्रदेश के सबसे खूबसूरत और अद्भुत पर्यटन स्थलों में से एक है। इसे अक्सर दक्षिण का ग्रैंड कैन्यन कहा जाता है। यह स्थान अपनी शानदार चट्टानों, सुंदर घाटियों और ऐतिहासिक किलों के लिए प्रसिद्ध है। आइए जानते हैं गंडिकोटा के कुछ प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में।

1. गंडिकोटा किला

गंडिकोटा का किला इस क्षेत्र का सबसे बड़ा आकर्षण है। इसे 16वीं शताब्दी में बनाया गया था और यह भव्यता और ऐतिहासिकता का प्रतीक है। किले की दीवारें, मीनारें और दरवाजे अद्भुत वास्तुकला का नमूना हैं। यहाँ से घाटी का दृश्य बेहद सुंदर है।

2. कावेरी नदी

गंडिकोटा के निकट कावेरी नदी बहती है, जो यहाँ के प्राकृतिक सौंदर्य को और बढ़ाती है। नदी के किनारे बैठकर लोग शांति और सुकून का अनुभव करते हैं। यहाँ की जलधारा और लहरें पर्यटकों को आकर्षित करती हैं।

3. गंडिकोटा घाटी

गंडिकोटा घाटी अपने अद्भुत दृश्य और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ की चट्टानें और घाटियाँ फोटोग्राफी के लिए एक बेहतरीन स्थान हैं। सूर्यास्त का दृश्य यहाँ से देखने लायक होता है।

4. रानी दुर्गा देवी का मंदिर

यह प्राचीन मंदिर गंडिकोटा में स्थित है और देवी दुर्गा को समर्पित है। यहाँ पर आने वाले भक्तों की एक बड़ी संख्या होती है। मंदिर का वास्तुशिल्प और यहाँ का वातावरण श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है।

5. जैन मंदिर

गंडिकोटा में एक प्राचीन जैन मंदिर भी है, जो जैन धर्म के अनुयायियों के लिए महत्वपूर्ण है। यहाँ की शिल्पकला और जैन मूर्तियाँ अद्वितीय हैं।

यात्रा की जानकारी

गंडिकोटा की यात्रा के लिए निकटतम रेलवे स्टेशन जिद्दलूर है, जो लगभग 30 किलोमीटर दूर है। सड़क मार्ग से भी यहाँ पहुँचना आसान है। यह स्थान वर्ष भर में किसी भी समय यात्रा के लिए उपयुक्त है, लेकिन मानसून के बाद यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता और भी बढ़ जाती है।

देखा जाये तो गंडिकोटा एक ऐसा स्थान है जहाँ आप ऐतिहासिक धरोहर, प्राकृतिक सौंदर्य और शांति का अनुभव कर सकते हैं। यहाँ की चट्टानें, घाटियाँ और किला एक अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करते हैं। यदि आप प्रकृति प्रेमी हैं या इतिहास के प्रति रुचि रखते हैं, तो गंडिकोटा आपके लिए एक आदर्श गंतव्य है। यहाँ की यात्रा निश्चित रूप से आपके मन में अद्भुत यादें छोड़ जाएगी।

ऐतिहासिक धरोहर और प्राकृतिक सौंदर्य का संगम है ओरछा

ओरछा का इतिहास 16वीं शताबदी से जुड़ा हुआ है, जब यह बुंदेलखंड क्षेत्र के बुंदेला राजवंश के राजा वीर सिंह देव द्वारा स्थापित किया गया था। राजा वीर सिंह देव ने यहां किलों, महलों, और मंदिरों का निर्माण कराया, जो आज भी इस स्थल की ऐतिहासिक धरोहर के रूप में खड़े हैं।

भारत के मध्यप्रदेश राज्य में स्थित ओरछा, एक ऐतिहासिक नगर है जो अपनी प्राचीन किलों, महलों, मंदिरों और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध है। यह स्थान भारतीय इतिहास और संस्कृति का अद्वितीय उदाहरण पेश करता है। ओरछा न केवल अपने ऐतिहासिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि यह एक शांतिपूर्ण पर्यटन स्थल भी है, जो प्रकृति प्रेमियों और इतिहास के शौकिनों के लिए आदर्श स्थल है।

ओरछा का इतिहास

ओरछा का इतिहास 16वीं शताबदी से जुड़ा हुआ है, जब यह बुंदेलखंड क्षेत्र के बुंदेला राजवंश के राजा वीर सिंह देव द्वारा स्थापित किया गया था। राजा वीर सिंह देव ने यहां किलों, महलों, और मंदिरों का निर्माण कराया, जो आज भी इस स्थल की ऐतिहासिक धरोहर के रूप में खड़े हैं। ओरछा, पहले बुंदेलों की राजधानी हुआ करता था और इसने कई ऐतिहासिक घटनाओं और सांस्कृतिक परिवर्तनों का साक्षी बनने का कार्य किया।

ओरछा के प्रमुख आकर्षण

ओरछा किला

यह किला ओरछा का प्रमुख आकर्षण है, जो नदियों और जंगलों से घिरा हुआ है। किले का निर्माण राजा वीर सिंह देव ने 16वीं शताबदी में करवाया था। किले के भीतर राजमहल, छतरियां और मंदिर स्थित हैं। किले से ही ओरछा शहर का सुंदर दृश्य देखा जा सकता है।

छतरियां

ओरछा के किले के पास स्थित छतरियां बुंदेला राजाओं की समाधियाँ हैं। ये स्मारक नदी के किनारे बने हुए हैं और इनका वास्तुकला बहुत ही आकर्षक है। छतरियों के वास्तुशिल्प और उनके परिसर का दृश्य बहुत ही भव्य और शांतिपूर्ण होता है।

रामराजा मंदिर

रामराजा मंदिर ओरछा का एक प्रसिद्ध धार्मिक स्थल है। यह मंदिर भगवान राम को समर्पित है और यहाँ भगवान राम की एक अनोखी प्रतिमा स्थापित है, जो अन्य राम मंदिरों से भिन्न है। यहाँ प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूजा अर्चना के लिए आते हैं।

जंगली महल

यह महल ओरछा किले के भीतर स्थित है और इसका निर्माण राजा वीर सिंह देव ने अपनी पत्नी के लिए करवाया था। जंगली महल की वास्तुकला, जिसमें मुग़ल और बुंदेला शैली का मिश्रण देखने को मिलता है, पर्यटकों को आकर्षित करती है।

लक्ष्मी मंदिर

यह मंदिर देवी लक्ष्मी को समर्पित है और अपनी भव्यता और सुंदर वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है। मंदिर के भीतर की मूर्तियाँ और चित्रण बहुत ही शानदार हैं।

चतुर्भुज मंदिर

यह मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित है और अपनी भव्य वास्तुकला और ऐतिहासिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है। यह मंदिर ओरछा के प्रमुख धार्मिक स्थल के रूप में माना जाता है।

ओरछा की प्राकृतिक सुंदरता

ओरछा न केवल ऐतिहासिक स्थल है, बल्कि यह प्रकृति प्रेमियों के लिए भी आदर्श स्थल है। यहाँ की शांतिपूर्ण नदियाँ, घने जंगल, और हरे-भरे मैदान एक अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करते हैं। ओरछा में बेतवा नदी के किनारे की सुंदरता पर्यटकों को बहुत आकर्षित करती है। बेतवा नदी में बोटिंग करने का अनुभव भी एक अलग ही रोमांचक होता है।

इसके अलावा, ओरछा का मौसम भी काफी मनमोहक होता है, जो यहाँ आने वाले पर्यटकों को सुकून और शांति का अनुभव कराता है। सर्दी और गर्मी दोनों ही मौसमों में यहाँ की यात्रा की जा सकती है, लेकिन सर्दी का मौसम (नवंबर से फरवरी) यहाँ यात्रा के लिए सबसे आदर्श समय माना जाता है।

ओरछा का सांस्कृतिक महत्व

ओरछा का सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व बहुत अधिक है। यहाँ के मंदिरों और महलों में बुंदेला संस्कृति और वास्तुकला की छाप स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। ओरछा में विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन होते रहते हैं, जो यहाँ के लोक जीवन को दर्शाते हैं। यहाँ के मेलों और त्योहारों में शामिल होकर आप ओरछा की संस्कृति का अनुभव कर सकते हैं।

ओरछा कैसे पहुंचे?

वायु मार्ग- ओरछा का नजदीकी हवाई अड्डा झाँसी है, जो लगभग 15 किलोमीटर दूर है। यहाँ से टैक्सी या बस द्वारा आसानी से ओरछा पहुँचा जा सकता है।

रेल मार्ग- झाँसी रेलवे स्टेशन, ओरछा का नजदीकी रेलवे स्टेशन है और यह भारत के प्रमुख शहरों से जुड़ा हुआ है। यहाँ से आप टैक्सी या बस द्वारा ओरछा पहुँच सकते हैं।

सड़क मार्ग- ओरछा प्रमुख शहरों से सड़क मार्ग द्वारा अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। झाँसी, ग्वालियर और कानपुर जैसे शहरों से यहां के लिए नियमित बस सेवाएँ उपलब्ध हैं।

ओरछा एक ऐसा स्थल है जहाँ आप भारतीय इतिहास, संस्कृति और वास्तुकला का अद्भुत मिश्रण देख सकते हैं। यहाँ का शांत वातावरण, ऐतिहासिक किले, मंदिर और महल पर्यटकों के लिए एक आदर्श गंतव्य बनाते हैं। अगर आप भारतीय इतिहास और संस्कृति में रुचि रखते हैं, तो ओरछा की यात्रा आपके लिए एक यादगार अनुभव साबित होगी।

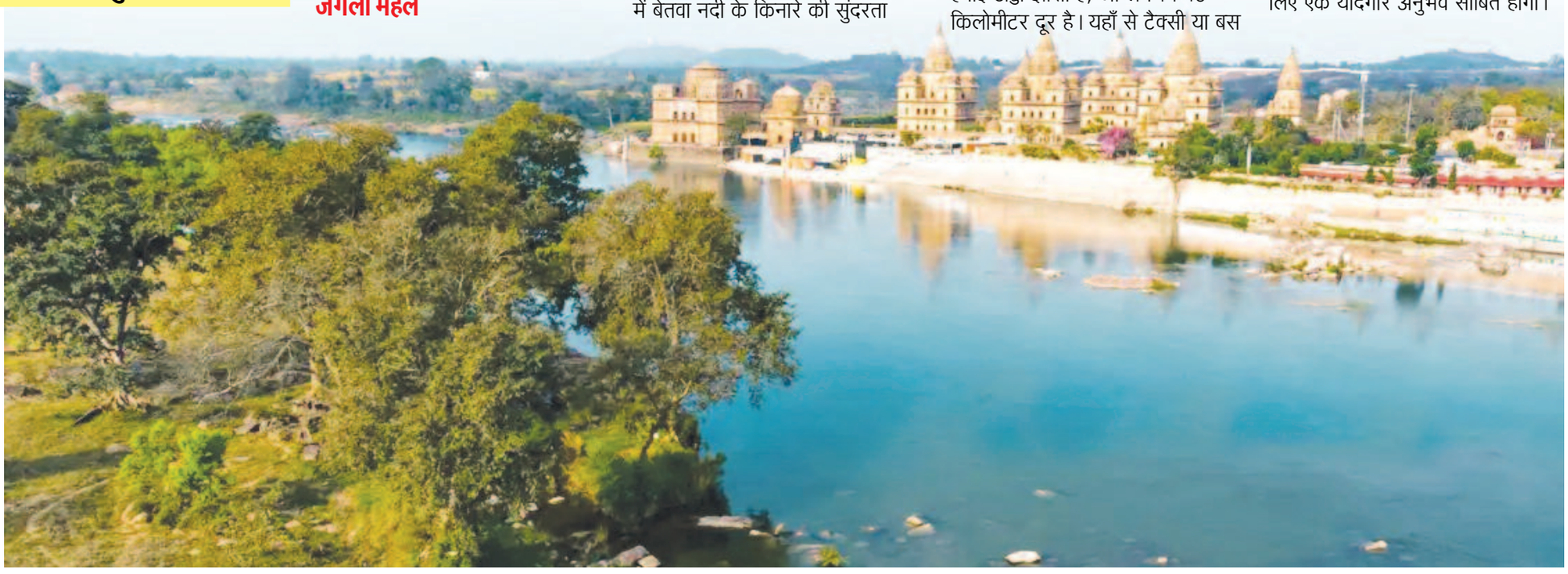

साल 2025 में जरूर एक्सप्लोर करें ये बेहतरीन जगह, नए एक्सपीरियंस का मिलेगा मौका

दुनियाभर में घूमने-फिरने में दिलचस्पी रखने वाले लोग हमेशा कहीं न कहीं की ट्रिप प्लान कर लेते हैं। फेमस पर्यटन स्थल हर किसी के पसंदीदा होते हैं। इन जगहों पर कभी पर्यटकों की कमी नहीं होती है। सालों से इन जगहों पर पर्यटन को बढ़ावा मिला है। इस लिस्ट में विदेशी पर्यटक स्थल और देश के पर्यटक स्थल दोनों शामिल हैं। बता दें कि जो लोग शानदार प्राकृतिक नजारों को देखना चाहते हैं, उनके लिए भारत पर्यटन स्थलों से समृद्ध देश है। यहां पर समुद्री तटों के विकल्प और ऊंची बर्फीली पहाड़ियां हैं। हरे-भरे मैदानी क्षेत्र तो सफेद रेतीले मैदान भी हैं। आप जंगल सफारी से लेकर ऊंट सफारी और क्रूज से लेकर फैरी तक के सफर का आनंद उठा सकते हैं।

बता दें कि साल 2024 में पर्यटन को काफी बढ़ावा मिला है। साल 2024 में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के बाद करोड़ों की संख्या में सैलानी अयोध्या पहुंचे। तो दूसरी ओर पीएम मोदी के आह्वान पर अंडमान-निकोबार द्वीप समूह और लक्षदीप पर पर्यटकों की काफी संख्या बढ़ी। वहीं अब साल 2025 में भी कई पर्यटन स्थल लोकप्रिय हो सकते हैं। ऐसे में अगर आप भी नए साल 2025 में घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आज इस आर्टिकल के जरिए देश के पांच फेमस पर्यटन स्थलों के बारे में बताने जा रहे हैं।

आलाप्पुझा, केरल - अगर आप भी केरल की प्राकृतिक सुंदरता को निहारना चाहते हैं, तो अलाप्पुझा जा सकते हैं। यहां पर आपको पारंपरिक हाउसबोट का अच्छा अनुभव मिलेगा। एलेप्पी के नाम से जाना जाने वाली यह जगह सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है। यहां पर आप नवंबर से फरवरी के बीच घूमने आ सकते हैं। इस दौरान आप अलाप्पुझा बीच, वेम्बनाड झील, मारारी बीच, कुमारकोम पक्षी अभयारण्य और पुन्नमदा झील के प्राकृतिक परिवेश का अनुभव करें। यहां पर रेवी करुणाकरण मेमोरियल म्यूजियम, सेंट मैरी चर्च और अलाप्पुझा लाइट हाउस का लुत्फ उठाएं।

जैसलमेर -जैसलमेर थार रेगिस्तान में बसा है, यह राजधानी की संस्कृति के साथ हमेशा बदलते टीलों और परंपराओं का अनुभव कराने के लिए एक परफेक्ट जगह है। प्राचीन बलुआ पत्थर की वास्तुकला, कभी न खत्म होने वाला रेगिस्तान और तेज धूप ने जैसलमेर को गोल्डन सिटी का खिताब दिया है। आप नवंबर से फरवरी के बीच इस खूबसूरत शहर को एक्सप्लोर कर सकते हैं। यहां पर आप वुड फॉसिल पार्क, कुलधरा गांव, व्यास छतरी, जैसलमेर युद्ध संग्रहालय, जैसलमेर किला, कोठारी की पटवों की हवेली, गड़ीसर झील, नाथमल जी की हवेली और थार रेगिस्तान को घूम ने जा सकते हैं।

गिर नेशनल पार्क -गुजरात में गिर राष्ट्रीय वन के नाम से फेमस यह पार्क भारत में मैजेस्टिक एशियाई शेरों को देखने के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक है। यह पार्क जूनागढ़, अमरेली और गिर सोमनाथ जिलों में फैला हुआ है। यह काठियावाड़-गुर शुष्क वन का हिस्सा है। नवंबर से मार्च तक का समय इस जगह को घूमने के लिए सबसे बेहतर है। यहां आप जंगल सफारी के जरिए 674 शेर, 300 तेंदुए और 425 पक्षियों की प्रजातियों में से कोई एक देख सकते हैं।

गोवा - समृद्ध पुर्तगाली संस्कृति, जीवंत नाइटलाइफ़ और शानदार समुद्र तट की वजह से गोवा साल भर घूमने के लायक है। साल 2025 में भी गोवा भारत में घूमने के लिहाज से सबसे अच्छी जगहों में से एक है। वैसे तो गोवा घूमने का सबसे अच्छा समय नवंबर से फरवरी का है। इस दौरान आप कलंगुट, अरम्बोल, अगोंडा, पणजी, कैंडोलिम, बागा, वागाटोर, कोल्वा, पालोलेम और वर्का की खोज करें। समुद्र तट पर मौज-मस्ती के अलावा कयाकिंग, सर्फिंग या स्कूबा डाइविंग भी कर सकते हैं।

नगर पालिका में अतिक्रमण तथा पार्किंग की समस्या को लेकर हुई बैठक

आज का मुद्दा-हापुड़। हापुड़ नगर पालिका परिषद के सभागार में बुधवार को एक बैठक का आयोजन कियागया। व्यापारियों के साथ हुई इस बैठक में हापुड़ के गोल मार्केट मेंअतिक्रमण तथा पार्किंग की समस्या को लेकर विचार विमर्श हुआ जहांव्यापारियों की अधिकारियों से कहासुनी भी हुई। संयुक्त हापुड़ उद्योग व्यापार मंडल से जुड़े व्यापारी नेता तथा गोलमार्केट आदि क्षेत्रों में दुकान करने वाले दुकानदार एकत्र हुए और उन्होंनेबैठक में हिस्सा लिया जहां अतिक्रमण का मुद्दा जोर शोर से गमार्या। इसदौरान व्यापारी नेता दिनेश गुप्ता ने कहा कि गोल मार्केट में अतिक्रमण अपनेचर्म पर है। टीम की कार्रवाई के बाद तुरंत ही दुकानदार अतिक्रमण जमा लेतेहैं। ऐसे में अतिक्रमण हटाओ दस्तता बनाना चाहिए जिससे अतिक्रमण करने वालोंपर कार्रवाई की जा सके। व्यापारी नेता ललित अग्रवाल छावनी वालों ने बताया कि अतिक्रमण केसाथ-साथ पार्किंग की भी एक बड़ी समस्या है। ऐसे में अतिक्रमणकारियों परकार्रवाई कर सरकारी सड़क पर पार्किंग बनानी चाहिए जिससे गोल मार्केट मेंआने वाले ग्राहकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। सर्राफ अरविंद शर्मा ने इस दौरान कहा कि कुछ पैसे लेकर दुकानदार अपनीदुकान के सामने ठेले लगवाते हैं जिससे अतिक्रमण को बढ़ावा मिलता है। पैसेके लालची व्यापारियों को ऐसा नहीं करना चाहिए। अधिकारियों ने भी कहा कि जब अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई होती है तोव्यापारी एकत्र हो जाते हैं। नगर पालिका परिषद हापुड़ में तैनात राजस्वनिरीक्षक सुनील कुमार ने कहा कि जब भी नगर पालिका की टीम अतिक्रमण तथापॉलिथीन के खिलाफ अभियान चलाती है तो सभी व्यापारी एकत्र हो जाते हैं। ऐसेमें व्यापारी भी अपनी जिम्मेदारी को निभाएं। बैठक में काफी गहमा-गहमी का माहौल रहा। व्यापारियों ने कहा कि जोदुकानदार अपनी दुकान के बाहर ठिया लगवाने का पैसा लेता है उसके बाद वाहनखड़े करता है तो उससे जाम की स्थिति बनी रहती है। लोगों को काफी ज्यादापरेशानी का सामना करना पड़ता है। हर समय जाम की स्थिति बनी रहती है। करनिर्धारण अधिकारी सुभाष चंद्र भारतीय ने बताया कि दुकानदार अब 1 से 3 फीटतक सीमा के डायरे में रहेंगे। यदि कोई नियम का उल्लंघन करेगा तो उसके खिलाफकार्रवाई होगी और अतिक्रमण के खिलाफ अभियान तेजी से चलाया जा रहा है। व्यापारी नेता दिनेश गुप्ता ने कहा कि अतिक्रमण के खिलाफ नगर पालिका कीटीम को अभियान चलाना चाहिए और पार्किंग की भी उचित व्यवस्था करने की जरूरतहै जिससे गोल मार्केट में जाम की स्थिति पैदा ना हो। हर समय यहां जाम लगारहता है जिससे लोगों को काफी ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसदौरान ललित अग्रवाल छावनी वाले, दिनेश गुप्ता, राजीव, सोनू, अरविंद शर्मा, अमित छावनी वाले, प्रभात, दीपक बंसल आदि उपस्थित रहे।

भाकियू लोकशक्ति ने आवारा पशुओ को पकड़वाने हेतु सौंपा ज्ञापन

आज का मुद्दा-हापुड़। जनपद हापुड़ के बाबूगढ़ क्षेत्र के गांव वनखंडा में आवारा पशुओं का आतंकलगातार बढ़ता जा रहा है जिसकी वजह से किसानों की फसल लगातार प्रभावित होरही है। आवारा पशु किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। ऐसे मेंकिसान आर्थिक चोट से गुजर रहा है। मामले में भारतीय किसान यूनियन लोकशक्तिने बुधवार को जिलाधिकारी हापुड़ के नाम एक ज्ञापन कलेक्ट्रेट पहुंचकरअधिकारियों को सौंपा। आवारा पशुओं को पकड़वाने की मांग की है और चेतावनी दीकि यदि आवारा पशुओं को नहीं पकड़ा गया तो वह मजबूरन अनिश्चितकालीन धरनाप्रदर्शन करेंगे।भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति के युवा जिलाध्यक्षविनीत त्यागी ने बताया कि वनखंडा में पशुओं का आतंक काफी ज्यादा बढ़ गया हैजो फसलों को अधिक नुकसान पहुंचा रहे हैं। वनखंडा के रास्तों के हालात भीकाफी ज्यादा खराब है जो जर्जर अवस्था में है। अधिकारियों को कई बार अवगतकराया जा चुका है लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई इस दिशा में नहीं हुई है? यदिउनकी समस्या का समाधान नहीं किया तो संगठन अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शनकरेगा। इस दौरान मोहित त्यागी, नाजिम चौधरी, फिरोज, अरशद युसूफ आदि उपस्थितरहे।

एसपी ने बहादुरगढ़ थाने का किया औचक निरीक्षण

आज का मुद्दा-हापुड़। हापुड़ पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने बुधवार को बहादुरगढ़ थाने का औचक निरीक्षण किया। एसपीने इस दौरान थाने से संबंधित आपराधिक घटनाओं व अभिलेखों की भी जांच की। जानकारी के अनुसार हापुड के पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंज्य सिंह बुधवार को अचानक थानाबहादुरगढ जा पहुंचे।पुलिस अधीक्षक ने थाना बहादुरगढ़ का आकस्मिक निरीक्षणकिया और थाना कार्यालय के अभिलेखों का अवलोकन कर अभिलेखों का रख-रखाव वसाफ-सफाई आदि को चैक किया।उन्होंने कहाकि वांछित अपराधियो की धर पकड़ मेंकोई लापरवाही न बरती जाए। इस सम्बन्ध में सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देशदिये गए।

वरिष्ठ भाजपा नेत्री अंजू खोखर ने अस्पताल में पहुंचकर जाना घायलों का हाल-चाल

आज का मुद्दा-बागपत। विपुल जैन। वरिष्ठ भाजपा नेत्री, मेरी आवाज सुनो जनकल्याण समिति की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं अखिल भारतीय जाट महासभा की प्रदेश महासचिव अंजू खोखर बुधवार को बडौत के अस्पतालों में पहुंची और उन्होंने बडौत मानस्तंभ पर हादसे का शिकार हुए लोगों का हाल-चाल जाना। बड़ौत में भगवान आदिनाथ के निर्वाण लड्डू महोत्सव पर मानस्तंभ पर बना लकड़ी का पैड़ गिरने से सात श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी और सैंकड़ों श्रद्धालु घायल हो गए थे। अंजू खोखर बडौत के मेडिसिटी हॉस्पिटल, आस्था हॉस्पिटल, जीवन ज्योति हॉस्पिटल व मेनावती हॉस्पिटल में पहुँची और घायलों से मिलकर उनका हाल-चाल जाना। उन्होंने डॉक्टरो से बात करके उन्हें अच्छे से अच्छा इलाज देने के लिए निवेदन किया। इसके अलावा वह मृतक लोगों के घर भी पहुंची और शोकाकुल परिवार को अपनी संवेदना दी। कहा कि इस दुख की घड़ी में वह और उनकी पूरी टीम उनके साथ है।

ताला तोड़कर तार चुराने वाले दो गिरफ्तार

आज का मुद्दा-नोएडा। शटर का ताला तोड़कर सोल्डर स्टिक और तार चोरी करने वाले दो आरोपियों को सेक्टर-63 थाने की पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान गाजियाबाद निवासी विनय और राम प्रताप के रूप में हुई। दोनों ने साथी सुरजीत के साथ मिलकर एक कंपनी से सोल्डर स्टिक और तार चोरी किया था। आरोपियों के पास से दो चाकू बरामद हुआ है। चोरी हुए सामान का कुछ हिस्सा गिरफ्त में आए आरोपी के साथी से पुलिस पहले ही बरामद कर चुकी है। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपियों ने 27 जनवरी को चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपियों की पहचान की थी। घटना में शामिल तीनों आरोपियों को पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है।

डीएवी स्कूल में साइबर क्लब गठित

आज का मुद्दा-नोएडा। सेक्टर-56 स्थित डीएवी स्कूल में साइबर सुरक्षा पर मंगलवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें इंस्पेक्टर विष्णु कुमार, एसआई मीनाक्षी और अपूर्वा ने साइबर सुरक्षा के बारे में जानकारी दी। स्कूल में साइबर क्लब का गठन किया गया। इस दौरान छात्रों को खोया हुआ मोबाइल ढूंढने, सोशल मीडिया आदि की हैकिंग आदि के बारे में जानकारी दी गई। साइबर क्लब में साइबर योद्धा बनाए गए। ताकि बच्चों को साइबर क्राइम, साइबर सुरक्षा आदि के बारे में जानकारी हो।

मौनी अमावस्या पर श्रद्धालुओ ने गंगा में लगाई आस्था की डुबकी

आज का मुद्दा-हापुड़। जनपद हापुड़ के ब्रजघाट में माघ माह की मौनी अमावस्या पर ब्रजघाट गंगाघाट पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मोक्ष दायिनी गंगा में आस्था कीडुबकी लगाई। सर्दी भी भक्तों की अटूट आस्था की राह में कोई रोड़ा नहीं बनपाई। बुधवार को दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान समेत वेस्ट यूपी के विभिन्न जनपदोंसे आए भक्तों ने माघ मास की मौनी अमावस्या पर ब्रजघाट गंगा में आस्था कीडुबकी लगाई। मौनी मावस्या के मद्देनजर मंगलवार की देर शाम को ही गंगानगरीमें श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था। होलट और धर्मशाला फुल हो गईथी। चारो तरफ चहल पहल बढने के साथ ही बाजारों में रंगत का माहौल बन गया था। बुधवार को ब्रह्मकाल में शुभ मुहूर्त प्रारंभ होने पर ठिठुरती सर्दी मेंगंगा स्नान का क्रम प्रारंभ हो गया था। भक्तों ने गंगा में डुबकी लगाई ।सूर्योदय होने पर अर्घ्य देकर पंडितों से भगवान सत्यनारायण की कथा सुनी।इसके बाद मंदिरों में जाकर इष्ट देवों के समक्ष मनौती भी मांगीं। महानगरोंसे आए धनाढ्यों ने गरीब-निराश्रितों को भोजन-वस्त्र समेत विभिन्न वस्तुओंका दान दिया। दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद, मेरठ, मुरादाबाद समेतविभिन्न महानगरों से आए धनाढ्यों ने मौनी अमावस्या के उपलक्ष्य मेंगरीब-निराश्रितों को भोजन-वस्त्र, तिल, लकड़ी समेत विभिन्न वस्तुओं का दानकर पुण्यार्जित किया। गंगा घाटों पर पुलिस ने सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए थे। संदिग्ध लोगोंऔर वाहनों पर पुलिस की पैनी निगाह रही। पुलिस टीम गंगा घाटों पर गश्त करतीरही। राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम न लगे इसको लेकर पुलिस बल तैनात किया गयाथा, जो वाहनों का आवागमन करा रहा था।

श्री कपूरे बाबा मंदिर पर मेला लगा

मौनी अमावस्या पर मंदिर में दर्शन के लिए उमड़े श्रद्धालु

ब्यूरो रिपोर्ट दिलशाद अहमद आज का मुद्दा

रिसिया के बंगला चक में कपूरे बाबा मंदिर पर मौनी अमावस्या के अवसर पर श्रद्धालु जन उमड़ पड़े,दर्शनार्थियों का तांता लगा हुआ था। बंगला चक में स्थित पांडव कालीन मंदिर कपूरे बाबा आश्रम पर पिछले एक हफ्ते से श्री मद भागवत कथा चल रही थी,जिसका समापन मंगल वार को हुआ, हवन पूजन के बादउस दिन भंडारा भी हुआ,बुधवार को सुबह से पूजा अर्चना के बाद भंडारा चल रहा था,दोपहर बाद से दर्शन करने के लिए कपूरे बाबा मंदिर पर आस पास गांवो के साथ पूर्वांचल से आकर बसे लोगो ने दर्शन करने के लिए तांता लगा दिया,इस मंदिर पर प्रतिवर्ष मौनी अमावस्या पर मेला लगता है। मेले के इंतजाम की पूरी देख रेख प्रधान उमा देवी, प्रतिनिधि सरोज सिंह,सुरेश सिंह के हाथो में थी, पुलिस व्यवस्था चुस्त दुरुस्त बनाए रखने के लिए प्रभारी निरीक्षक राजनाथ सिंह स्वयं सुबह से ही कैंप कर रहे थे। ग्राम पंचायत सचिव महेश मिश्र ने साफ सफाई पर विशेष ध्यान दिया। इस अवसर पर ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि संजय जायसवाल, प्रधान भैसाहा शिव प्रसाद, बाबू सिंह,धर्मेंद्र सिंह राठौर, सचिव महेश मिश्रा, अशोक शर्मा,

निर्भय सिंह, राजेश तिवारी, सहित मोजूद रहे

आईडीएफसी फर्स्ट बैंकऔर आनन्दा फाउंडेशन के सहयोग से रतलाम में "श्वेतधारा" कार्यक्रम और जोविता मिल्क प्रोड्यूसर्स कंपनी का शुभारंभ

आज का मुद्दा-हापुड़। रतलाम जिले के बोरखेड़ा गांव में आईडीएफसी फर्स्ट बैंकऔर आनन्दा फाउंडेशन के संयुक्त प्रयास से संचालित "श्वेतधारा" कार्यक्रम और "जोविता मिल्क प्रोड्यूसर्स कंपनी" का शुभारंभ किया गया। यह पहल मध्य प्रदेश के पांच जिलों में डेयरी किसानों और महिला किसानों को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।कार्यक्रम का उद्घाटन आनन्दा फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. आर. एस. दीक्षित, आईडीएफसी फर्स्ट बैंककी सीएसआरप्रमुख सुश्री रचना अय्यर और सीएसआरमैनेजर ललित वेदुला ने किया। इस अवसर पर जोविता मिल्क प्रोड्यूसर्स कंपनी के सदस्य किसानों को शेयर सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया गया।जोविता कंपनी ने पशुपालन को लाभकारी बनाने के लिए अपने उत्पाद जैसे पशु आहार, मिनरल मिक्सचर और कपासिया खली का भी उद्घाटन किया। इन उत्पादों के माध्यम से किसानों को बेहतर दूध उत्पादन और पशुओं के स्वास्थ्य में सुधार की सुविधा मिलेगी। साथ ही, किसानों को जागरूक करने और जानकारी प्रदान करने के लिए "जोविता रथ" की भी शुरूआत की गई।कार्यक्रम में उपस्थित आईडीएफसी फर्स्ट बैंकके सीएसआरप्रमुख सुश्री रचना अय्यर ने कहा, ह्यह परियोजना न केवल किसानों की आय बढ़ाने में मदद करेगी, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर भी प्रदान करेगी।ह्व आनन्दा फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. आर. एस. दीक्षित ने किसानों को प्रोत्साहित करते हुए कहा, ह्यश्वेतधारा और जोविता जैसे प्रयास ग्रामीण भारत में सकारात्मक बदलाव लाने में मील का पत्थर साबित होंगे।ह्यइस कार्यक्रम में आईडीएफसी फर्स्ट बैंकसे सुश्री रचना अय्यर, ललित वेदुला और नितीश आर्य, आनन्दा फाउंडेशन से डॉ. आर. एस. दीक्षित, कार्यकारी निदेशक रजीउल हसन और प्रबंधक नितिन कुमार, जोविता मिल्क प्रोड्यूसर्स कंपनी की मुख्य कार्यकारी अधिकारीविनीता नायर और बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स (रम्भा, रानी कटारिया) उपस्थित रहे।कार्यक्रम में मौजूद सभी विशिष्टजनों ने किसानों को बेहतर भविष्य के लिए प्रेरित किया और उनकी भलाई के लिए निरंतर सहयोग का आश्वासन दिया।यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों के डेयरी किसानों और महिला किसानों को सशक्त बनाने और उनकी आय में वृद्धि करने के लिए आईडीएफसी फर्स्ट बैंकऔर आनन्दा फाउंडेशन के समर्पण का प्रतीक है।

सेंट्रल इंडस्ट्रियल कॉपरेटिव सोसायटी लिमिटेड में साइबर जागरूकता गोष्ठी आयोजित, उद्यमियो को किया जागरूक

आज का मुद्दा-हापुड़। बढ़ती हुई साइबर ठगी की घटनाओं से बचाव हेतु पुलिस व साइबर क्राइम टीम नेबुधवार को हापुड के उद्यमियों को जागरूक किया और कहा कि जागरूकता ही साइबरअपराध से निजात दिला सकता है। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन हापुड चैप्टर ने बुधवार को एक संगोष्ठी का आयोजन किया।पुलिसअधीक्षक व थाना साइबर क्राइम टीम ने धीरखेड़ा स्थित सेंट्रल इंडस्ट्रियलकॉपरेटिव सोसायटी लिमिटेड में साइबर जागरूकता गोष्ठी आयोजित की।पुलिसअधीक्षक कुँवर ज्ञानन्जय सिंह व साइबर क्राइम टीम ने साइबर अपराधों के बारेमें जानकारी देकर साइबर अपराध से बचाव हेतु जनपद के व्यापारियों तथाउद्यमियों को जागरूक व सचेत किया।उन्होंने कहा कि जागरूकता से ही साइबर ठगीसे बचा जा सकता है।इस मौके पर आईआईए हापुड चैप्टर के चेयरमैन शान्तनु सिंघल सहित अनेक उद्यमी उपस्थित थे।

गेंद घर मैदान में सम्पन्न हुआ 106 जोड़ों का सामूहिक विवाह

एमएलसी व भाजपा जिलाध्यक्ष ने नवविवाहित जोड़ों को दिया आशीर्वाद

ब्यूरो रिपोर्ट दिलशाद अहमद आज का मुद्दा

बहराइच 29 जनवरी। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना अन्तर्गत जिलाधिकारी मोनिका रानी के कुशल निर्देशन में गेंद घर मैदान में आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले जरूरतमन्द, निराश्रित/निर्धन परिवारों की 106 विवाह योग्य कन्या/विधवा/परित्यक्ता/तलाकशुदा महिलाओं का विवाह उनकी सामाजिक/धार्मिक मान्यता एवं परम्परा/रीति-रिवाज के साथ सम्पन्न कराया गया। सामूहिक विवाह कार्यक्रम में विकास खण्ड चित्तौरा के 20, रिसिया के 11, जरवल के 13, फखरपुर के 21, कैसरगंज के 18 व नगर पालिका परिषद बहराइच के 23 कुल 106 जोड़ों का विवाह सम्पन्न हुआ। जिसमें से 76 जोड़ों का विवाह हिन्दू रीति रिवाज के साथ तथा 30 जोड़ों का निकाह सम्पन्न हुआ। सामूहिक विवाह कार्यक्रम में एम.एल.सी. डॉ. प्रज्ञा त्रिपाठी ने भाजपा जिलाध्यक्ष बृजेश पाण्डेय व अन्य गणमान्य व संभ्रान्तजन तथा परिजनों के साथ नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान किया।

सामूहिक विवाह समारोह के अवसर पर एमएलसी डॉ. प्रज्ञा त्रिपाठी व भाजपा जिलाध्यक्ष श्री पाण्डेय ने सभी नवविवाहित जोड़ों को दाम्पत्य जीवन में प्रवेश करने पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी ईश्वर से प्रार्थना है कि वर-वधू सम्पूर्ण जीवन खुशहाल जिन्दगी बसर करें और इनके जीवन में कोई कष्ट न आए। वक्ता द्वय ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दूरदर्शिता का परिणाम है कि सामूहिक विवाह योजना को लागू करके एक ही पण्डाल के नीचे सामाजिक समरता का ऐसा माहौल पैदा किया है कि एक ओर जहॉ श्लोक पढ़ा जा रहा है तो दूसरी ओर कुरान की आयतों के पाठ के साथ वर-वधू एक दूसरे के हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस आयोजन कि एक विशेषता यह भी है कि इसमें शामिल सभी लोग अपने को वर-वधू दोनों परिवारों का हिस्सा मान रहे है।

वक्ताद्वय ने कहा कि प्रदेश सरकार सबका साथ सबका विकास के सिद्धान्त पर बिना भेदभाव के कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि एक ही मण्डप में बिना किसी धार्मिक व जातिगत भेदभाव के साथ एक समान रूप से सभी पात्र बेटियों का विवाह सम्पन्न कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन की मुख्य विशेषता यह है कि योजना से आच्छादित लोगों की सामाजिक/धार्मिक मान्यता एवं परम्परा/रीति-रिवाज के अनुसार ही विवाह की व्यवस्था की गयी है इससे समाज में सर्वधर्म-समभाव एवं सामाजिक समरसता को बढ़ावा मिलेगा तथा दहेज रूपी दानव का भी नाश होगा। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र, जिला विकास अधिकारी राज कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी रमाशंकर गुप्ता, अधि.अधि. न.पा.परि. बहराइच प्रमिता सिंह सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी सहित क्षेत्रीय गणमान्य व संभ्रान्तजन, वर-वधू पक्ष के सगे-सम्बन्धी व ईष्ट मित्र बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

आवश्यक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम संजय कुमार पुत्र श्री अमरपाल गुप्ता निवासी डी 366 सुल्तानी पुरा मोदीनगर जिला गाजियाबाद

20 1204 है, जो की बदलकर अब संजय गुप्ता हो गया है, भविष्य में मुझे संजय गुप्ता के नाम से जाना जाए।

माले विधायक रविदास और ग्रामीणों के बीच विवाद, गांववालों ने उद्घाटन करने से रोका

पटना । पटना के फुलवारी शरीफ से माले विधायक गोपाल रविदास और ग्रामीणों के बीच का विवाद बढ़ गया है। विधायक ने गांववालों पर एससी समाज से होने के कारण अभद्र व्यवहार करने और उद्घाटन करने से रोकने का आरोप लगाया है। वहीं, गांववालों का तर्क हैं कि चुनाव नजदीक है, तब बिन बुलाए फीता काटने पहुंच गए थे। मुखिया के फंड से काम हुआ था, वे श्रेय लेने की कोशिश कर रहे थे, इसकारण रोका गया। मामला 26 जनवरी का है। विधायक नवनिर्मित स्कूल का उद्घाटन करने कुरथौल गांव पहुंचे थे। गांववालों के विरोध के बाद उन्हें वापस लौटना पड़ा। इसके बाद उन्होंने थाने में चुन्नू सिंह, मिथलेश सिंह और हंसराज हंस के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट में केस दर्ज कराया है। पूरे विवाद पर माले विधायक ने बताया, मैं अपने समर्थकों के साथ सरकारी स्कूल (उच्च माध्यमिक) की नई इमारत का उद्घाटन करने गया था। मेरी सिफारिश पर बनाया गया है। दोपहर तीन बजे जैसे ही वहां पहुंचे दबंग जाति के करीब 50 लोगों ने विरोध करना शुरू कर दिया।

एसएएफ इंस्पेक्टर की बेहरमी से हत्या, पुलिस जांच में जुटी

इंदौर । इंदौर में पुलिस के विशेष सशस्त्र बल (एफएएफ) के एक इंस्पेक्टर की बेहरमी से हत्या की गई। मृतक पुलिसकर्मी की लाश एक सड़क के पास मिली। पुलिस मामले की छानबन कर रही है। डीसीपी ने कहा, ऐसा शक है कि उनका किसी अज्ञात व्यक्ति से विवाद हुआ था, इसकारण अचानक उकसावे की वजह से उनकी हत्या कर दी गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है और सीसीटीवी फुटेज भी खंगाली जा रही है। इंदौर के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि मरने वाले एसएएफ इंस्पेक्टर की पहचान प्रभु नारायण के तौर पर हुई है। नारायण राज्य पुलिस के एसएएफ में इंस्पेक्टर थे। उन्हें शराब पीने की आदत थी और वे ड्यूटी से ज्यादातर अनुपस्थित रहते थे। डीसीपी ने कहा, ऐसा शक है कि उनका किसी अज्ञात व्यक्ति से विवाद हुआ था, जिसके कारण अचानक उकसावे की वजह से उनकी हत्या कर दी गई। इंदौर के पुलिस उपायुक्त (सीसीपी) अभिनय विश्वकर्मा ने भरोसा जताया कि मामले का जल्द ही खुलासा कर दिया जाएगा।

तेलंगाना में कांग्रेस विधायक के समर्थकों की दबंगई.... ट्रैफिक एसीपी को धक्का देकर किया हमला

-समर्थकों ने पुलिस अधिकारी को गालियां तक दी गईं

हैदराबाद । तेलंगाना में राजनीतिक दबंगई का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां कांग्रेस विधायक मक्कन सिंह के समर्थकों ने ट्रैफिक एसीपी जॉन नरसिम्हुलु के साथ दुर्व्यवहार कर उन पर हमला कर दिया। जबकि एसीपी ने ट्रैफिक नियम तोड़ने पर कांग्रेस समर्थकों की गाड़ी रोकी थी। यह घटना तब हुई जब एसीपी नरसिम्हुलु ट्रैफिक को कंट्रोल करने के लिए खुद सड़क पर उतरे थे। तभी विधायक के समर्थकों के साथ तीखी नोकझोंक हुई। समर्थकों के समूह ने अधिकारी को धक्का देकर हमला कर दिया। इनता ही नहीं कांग्रेस विधायक के समर्थकों ने पुलिस अधिकारी को गालियां तक दी गईं और उन्हें पागल कहा गया। घटनाक्रम के वीडियो में यह सब कैद हो गया है। हमले के बावजूद ड्यूटी पर मौजूद साथी अन्य पुलिस अधिकारी निष्क्रिय दिखाई दिए। उन्होंने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय उन्हें शांत करने का प्रयास किया।

रेलवे स्टेशन पर लावारिस मिली बच्ची, मेडिकल जांच में रेप का हुआ खुलासा

मुंबई। महाराष्ट्र के नवी मुंबई में रेलवे स्टेशन पर एक नाबालिग लड़की लावारिस हाल में मिली। लड़की के बारे में पुलिस को सूचना मिली, इस पर मौके पर पहुंची और लावारिस लड़की को अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस की जांच में लड़की के साथ रेप की जानकारी सामने आई है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। यह मामला नवी मुंबई टाउनशिप में एक रेलवे स्टेशन का है। यहां 12 साल की बच्ची लावारिस हालत में मिली। जांच में सामने आया है कि बच्ची के साथ रेप किया गया है। पुलिस का कहना है कि वाशी सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने मामला दर्ज किया है। पीड़ित बच्ची के उसके परिवार के बारे में पता लगाया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि लड़की घनसोली रेलवे स्टेशन के एक प्लेटफॉर्म पर अकेली मिली थी। गश्त पर तैनात पुलिसकर्मियों ने लड़की को देखा तब उससे पूछताछ की, लेकिन बच्ची अपना नाम या अपने परिवार के बारे में कोई न्य जानकारी नहीं दे सकी। इसके बाद लड़की को मेडिकल जांच के लिए ले जाया गया, जिसमें पता चला कि उसके साथ रेप किया गया है। लड़की घटना के बारे में कोई जानकारी नहीं दे सकी है।

अंतिम संस्कार के दौरान किसान के छिपाए 3 लाख जलकर राख हो गए

माहोली। पंजाब के दीनानगर में अनोखी घटना सामने आई, जहां एक 95 वर्षीय किसान दलबीर सिंह के अंतिम संस्कार के दौरान उनके बिस्तर में छिपाए गए 3 लाख जलकर राख हो गए। यह चौंकाने वाला खुलासा तब हुआ जब जलते हुए बिस्तर से 50,000 रुपए की अर्धजली गड्डी सामने आई। बता दें कि किसान सिंह का निधन हुआ था और उनके परिवार को इसकी जानकारी नहीं थी कि उन्होंने अपने बैंक खाते से 3 लाख निकालकर बिस्तर में छिपा रखे थे। उनके बेटे की सरकारी नौकरी थी और परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी थी, लेकिन रहस्य तब सामने आया जब अंतिम संस्कार के दौरान बिस्तर के सिरहाने से 500-500 के नोटों की गड्डी गिरी। हालांकि, अधिकांश नोट जल चुके थे, फिर भी एक अर्धजला गड्डी मिलने पर परिवार ने जांच की। बाद में बैंक पासबुक की जांच से पता चला कि सिंह ने तीन लाख रुपए अपने पास रखे थे, जो अब उनके साथ ही चिता में जल गए। इस घटना के बाद परिवार ने इस विषय पर अधिक बात करने से परहेज किया।

अगर हिम्मत है तो...: सीएजी रिपोर्ट पर कांग्रेस ने अरविंद केजरीवाल को दी खुली चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने बुधवार को 14 विवादास्पद नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) रिपोर्ट पेश करने को लेकर आम आदमी पार्टी के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार की आलोचना की। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने आरोप लगाया कि अरविंद केजरीवाल यूपीए ॥ सरकार के खिलाफ 'सीएजी रिपोर्ट के फर्जी ड्राफ्ट' लेकर चलते थे लेकिन अब चुप हैं। पवन खेड़ा ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री को राष्ट्रीय राजधानी में आप सरकार के प्रदर्शन पर सीएजी रिपोर्ट पर बहस की चुनौती भी दी।

पवन खेड़ा ने एएनआई से कहा कि क्या उन्होंने अपनी सीएजी रिपोर्ट पढ़ी है? वह हमारे (कांग्रेस) खिलाफ फर्जी सीएजी रिपोर्ट लेकर पूरे देश में घूमते थे।' अब जब उनके खिलाफ इतनी सारी ष्ठत्र रिपोर्टें आ गई हैं तो उनका मुंह क्यों बंद है? कांग्रेस नेता ने कहा, 'हिम्मत है तो आए और अपनी सीएजी रिपोर्ट पर बहस करें।' यह टिप्पणी कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति घोटाले को लेकर अरविंद केजरीवाल पर तीखा हमला करने के एक दिन बाद आई है।

इससे पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय माकन ने बुधवार को नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की ''रिपोर्ट'' का हवाला देते हुए दिल्ली की पूर्व की अरविंद केजरीवाल सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया और दावा किया कि तीन अस्पतालों के निर्माण में 382 करोड़ रुपये अधिक का घोटाला हुआ। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि इसी 'घोटाले' के कारण कैग की रिपोर्ट को विधानसभा में पेश नहीं करने दिया गया।

साथ ही माकन ने कहा कि केजरीवाल को 'राष्ट्र विरोधी' कहने के अपने बयान पर वह कायम हैं और यह उनकी निजी राय है। उन्होंने केजरीवाल द्वारा अतीत में कुछ विपक्षी नेताओं से माफी मांगे जाने का हवाला देते हुए दावा किया कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री 'थूक कर चाटने के विश्व चैम्पियन' हैं। विधानसभा चुनाव से करीब दो सप्ताह पहले माकन द्वारा आम आदमी पार्टी (आप) और उसके संयोजक तथा दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल पर लगाए गए आरोपों पर फिलहाल दिल्ली के सत्तारूढ़ दल की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। दिल्ली में सभी 70 विधानसभा सीटों पर आगामी पांच फरवरी को मतदान होगा। मतगणना आठ फरवरी को होगी।

जिस दिन केजरीवाल ने पार्टी बनाई, तभी से बात करना छोड़ दिया : समाजसेवी अन्ना हजारे

मुंबई । समाजसेवी अन्ना हजारे ने दिल्ली चुनाव और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि वे केजरीवाल से बात नहीं करते। समाजसेवी अन्ना हजारे ने दिल्ली चुनाव और केजरीवाल पर कहा, जो जैसा करेगा, वैसा भरेगा। दिल्ली के लोग उम्मीदवार देखकर वोट दें। जिस दिन से केजरीवाल ने पार्टी बनाई है, मैं उससे बात नहीं करता। हजारे ने कहा, केजरीवाल शुरुआत में मेरे साथ काम करने के लिए आया था। लेकिन, जिस दिन से केजरीवाल ने राजनैतिक महत्वकांक्षा से पार्टी बनाई, उस दिन से मैंने केजरीवाल से बात करना छोड़ दिया। इसलिए उसके विषय पर मैं कुछ नहीं बोल सकता। दिल्ली चुनाव में जनता के वोट देने को लेकर उन्होंने कहा, जनता उम्मीदवार देखकर शुद्ध आचार, शुद्ध विचार, जीवन निष्कलंक और जीवन में प्यार और जिसमें अपमान सहन करने की शक्ति हो, ये सब गुण जिसमें हो, जनता उस तहर के उम्मीदवार को ही वोट करे। मैं किसी पर आरोप नहीं लगा रहा हूं। जो जैसा करेगा, वैसा भरेगा। दिल्ली चुनाव की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे सभी राजनीतिक पार्टियों की सक्रियता बढ़ती जा रही है। दिल्ली में सत्ताधारी आम आदमी पार्टी, मुख्य विपक्षी भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच त्रिकोणीय लड़ाई होने की संभावना है। एक ओर जहां केजरीवाल के नेतृत्व में आप लगातार तीसरी बार अकेले दम पर सरकार बनाने की कोशिश में लगी है, वहीं भाजपा विपक्ष की भूमिका से हटकर दिल्ली में डबल इंजन की सरकार बनाने के लिए बेताब है। जबकि पिछले दो चुनाव से एक भी सीट पर जीत नहीं दर्ज करने वाली कांग्रेस दिल्ली में अपना अस्तित्व बचाने के लिए मैदान में है।

10 दिन से लापता शिवसेना के लोकल पदाधिकारी की तलाश में जुटी मुंबई पुलिस

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर में 10 दिन पहले लापता हुए शिवसेना के लोकल पदाधिकारी अशोक धोडी का पता लगाने के लिए पुलिस ने आठ टीमें गठित कर दी हैं। इतना ही नहीं इस संबंध में चार लोगों को हिरासत में लिया गया है। जिनसे लगातार पूछताछ की जा रही है। एकनाथ शिंदे की पार्टी शिवसेना के दहानू विधानसभा क्षेत्र के समन्वयक धोडी 20 जनवरी को लापता हो गए थे। पुलिस ने उनका पता लगाने के लिए अभियान शुरू किया है, लेकिन अभी तक उनका पता नहीं चल सका है। पालघर के जिला पुलिस अधीक्षक (एसपी) बालासाहेब पाटिल ने कहा, हमने मामले में संदिग्धों को हिरासत में लिया है। उसमें से तीन के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। एसपी पाटिल ने भरोसा जताया कि पुलिस जल्द मामले को सुलझाने में सफल होगी। उन्होंने कहा, हमने मामले पर काम करने के लिए स्थानीय अपराध शाखा सहित आठ टीमें बनाई हैं।

जेडीयू को दोहरा झटका, अली अनवर और भगीरथ मांझी ने थामा कांग्रेस का हाथ

पटना (एजेंसी)। बिहार की जेडीयू को बुधवार को दोहरा झटका लगा है। जेडीयू के पूर्व राज्यसभा सांसद अली अनवर और माउंटेन मैन कहे जाने वाले दशरथ मांझी के बेटे और जेडीयू नेता भगीरथ मांझी कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। दोनों ने बुधवार को दिल्ली में होने वाले मिलन समारोह में कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। कांग्रेस बिहार विधानसभा चुनाव में सवर्ण के साथ अल्पसंख्यक और दलित वोटबैंक को साधने की तैयारी कर रही है। इसको देखते हुए दोनों को पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई जा रही है।

कांग्रेस बिहार में अपना जनाधार बढ़ाने की कोशिश कर रही है। इसके लिए कई समुदाय के चेहरों को कांग्रेस में शामिल कर रही है। अली अनवर जेडीयू से दो बार राज्यसभा सांसद रह चुके हैं। 2017 में जेडीयू के बीजेपी के साथ दोबारा सरकार बनाने का अली अनवर ने विरोध किया था। अली अनवर फिलहाल ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम समाज के अध्यक्ष हैं। अली अनवर के जरिए कांग्रेस अल्पसंख्यक वोट बैंक को साधने की कोशिश कर रही है।

वहीं दूसरी और माउंटेन मैन दशरथ मांझी के पुत्र भागीरथ मांझी भी कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं। भागीरथ मांझी 2024 लोकसभा चुनाव से पहले जेडीयू में शामिल हो गए थे। एक साल के अंदर ही जेडीयू से उनका मोह भंग हो गया और अब वह कांग्रेस पर यकीन कर रहे हैं। पिछले दिनों पटना में राहुल गांधी के कार्यक्रम में भी भागीरथ मांझी शामिल हुए और राहुल गांधी ने उन्हें सम्मानित भी किया था।

अंबेडकर की प्रतिमा से छेड़छाड़ पर गरमाई सियासत, अठावले बोले- मामले की होनी चाहिए जांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। डॉ. बीआर अंबेडकर की मूर्ति तोड़े जाने पर केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा कि बाबासाहेब अंबेडकर ने दलितों की भलाई के लिए काम किया। उनकी मूर्ति तोड़ी गई लेकिन उनकी विचारधारा मजबूत है...मामले की जांच होनी चाहिए' इसकी जांच होनी चाहिए कि यह किसकी योजना थी। मैं सीएम से बात करने जा रहा हूं कि आरोपियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए... मैं अधिकारियों से बात करूंगा और एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करूंगा... मैं बर्बरता के इस कृत्य की निंदा करता हूं ...सीएम भगवंत मान पंजाब में स्थितियों को ठीक से संभाल नहीं पा रहे हैं और संभाल भी चुके हैं।

आठवले ने कहा कि यह एक गंभीर घटना है। दोषी व्यक्ति को फांसी की सजा मिलनी चाहिए। राज्यसभा सदस्य ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के इस दावे को भी खारिज कर दिया कि आंबेडकर द्वारा तैयार संविधान केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार में खतरे में है। उन्होंने कहा, ÷संविधान सुरक्षित है।

लेकिन राहुल गांधी और उनकी पार्टी को लगता है कि उनका अस्तित्व खतरे में है। आठवले ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की उस टिप्पणी को लेकर उन पर 'हिंदू धर्म का अपमान÷ करने का आरोप लगाया जिसमें उन्होंने कहा था कि गंगा में डूबकी लगाने से गरीबी खत्म नहीं होगी।

कांग्रेस अध्यक्ष ने सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के महाकुंभ दौरे को लेकर उन पर कटाक्ष करते हुए कहा था कि शाह के गंगा में डुबकी लगाने से गरीबी दूर नहीं होगी। दिल्ली विधानसभा चुनाव के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सहयोगी ने कहा, मुझे लगता है कि भाजपा जीतने जा रही है क्योंकि दिल्ली के लोग पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली 'आप' से तंग आ चुके हैं।

छावा के मेकर्स को मुख्यमंत्री फडणवीस की सलाह, इतिहास से किसी भी तरह की छेड़छाड़ न करें

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेता विक्की कौशल इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म छावा को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। फिल्म में अभिनेता छत्रपति संभाजी महाराज की भूमिका में दिखाई देने वाले है। हालांकि, छावा की रिलीज से पहले ही एक सीन को लेकर बड़ा विवाद पैदा हो गया है। हाल ही में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मेकर्स को रिलीज से पहले सलाह दी है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने मेकर्स को कहा कि वे इतिहास से किसी भी तरह की छेड़छाड़ न करें।

रिपोर्ट के मुताबिक, सीएम ने कहा, संभाजी महाराज के इतिहास को सही तरीके से पेश करना चाहिए। इतिहास से किसी भी तरह का छेड़छाड़ करना बिल्कुल भी सही नहीं है। हर किसी के दिल में संभाजी महाराज के प्रति बहुत सम्मान और प्यार है, इसलिए उस सम्मान और प्रतिष्ठा को किसी भी तरह से ठेस नहीं पहुंचनी चाहिए। फिल्मों में रचनात्कमता होती है, लेकिन हमारा मानना है कि इसके साथ ही उन्हें दूसरों की भावनाओं का भी पूरा ध्यान रखना चाहिए।

सीएम फडणवीस से पहले महाराष्ट्र के मंत्री उदय सामंत ने भी छावा के एक सीन पर निराशा व्यक्त की थी। उन्होंने सीन पर आपत्ति जाहिर की थी, जहां छत्रपति संभाजी महाराज राज्याभिषेक के बाद रानी येसुबाई के साथ डांस कर रहे हैं। उस सीन को फिल्म से हटाने की मांग की गई थी। उन्होंने कहा था कि अगर ऐसा नहीं होता है, तब फिल्म की रिलीज पर रोक लगा दी जाएगी। विवाद बढ़ता देख छावा के निर्देशक लक्ष्मण उतेकर ने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे से मुलाकात कर आश्वसन दिया था कि रिलीज से पहले फिल्म के सभी आपत्तिजनक सीन को हटाया जाएगा। विक्की कौशल और रश्मिका स्टारर यह फिल्म 14 फरवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण की मांग वाली याचिका खारिज, ये कांग्रेस सरकार की नीतियों को जीत: कमलनाथ

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के जबलपुर उच्च न्यायालय द्वारा अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आरक्षण को लेकर दायर की गई याचिका खारिज करने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने मोहन सरकार से ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण का लाभ देने की मांग की है। मध्य प्रदेश कांग्रेस के दिग्गज नेता और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा कि जबलपुर हाई कोर्ट ने उस जनहित याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें राज्य शासन द्वारा प्रदेश में 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण देने के फैसले का विरोध किया था। यह कांग्रेस पार्टी की नीतियों की जीत है।

उन्होंने कहा कि मार्च 2019 में जब वे मुख्यमंत्री थे, तब मध्य प्रदेश के ओबीसी समुदाय को 27 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान किया था। हाई कोर्ट के फैसले ने तत्कालीन सरकार के निर्णय को फिर सही साबित किया है। अब मोहन सरकार को तत्काल सभी स्तर पर 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण देना सुनिश्चित करना चाहिए। कांग्रेस नेता ने भाजपा पर ओबीसी विरोधी होने का आरोप लगाकर कमलनाथ ने कहा कि ओबीसी आरक्षण को लेकर भाजपा ने हमेशा षड्यंत्रकारी रवैया अपनाया है।

उन्होंने कहा, मार्च 2019 में मेरी तत्कालीन सरकार ने मप्र में ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देने का फैसला किया था। तभी साल 19 मार्च को हाईकोर्ट ने पोस्टग्रेजुएट मेडिकल कोर्स के लिए 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण पर स्थगन दिया। यहां उल्लेखनीय है कि स्थगन सिर्फ कुछ नौकरियों के लिए था। इतना ही नहीं ओबीसी के 27 प्रतिशत रिजर्वेशन की सभी बाधाओं को दूर करने के लिए जुलाई 2019 में मेरी सरकार ने विधानसभा से 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण का कानून भी पास कर दिया था।

कांग्रेस नेता कमलनाथ ने कहा कि मार्च 2020 में शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनने के बाद ओबीसी के खिलाफ षड्यंत्र शुरू किया गया। हाई कोर्ट का आदेश सिर्फ कुछ पदों पर लागू होना था, लेकिन भाजपा सरकार ने पूरे राज्य में सभी जगह यह आदेश लागू कर 27 प्रतिशत आरक्षण की हत्या कर दी। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में 27 प्रतिशत आरक्षण के खिलाफ दायर की गई याचिका को खारिज कर दिया है।

ताहिर हुसैन का केजरीवाल पर हमला, सिसोदिया जेल गए पार्टी से नहीं निकाला, मुझे पार्टी से निकल दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली दंगों के आरोपी ताहिर हुसैन ने मुस्तफाबाद विधानसभा सीट से बतौर ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) उम्मीदवार अपना चुनाव प्रचार शुरू किया है। ताहिर ने कस्टडी पैरोल पर बाहर आने के साथ ही आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल पर तीखा हमला किया।

हुसैन ने कहा कि जेल जाने पर मुझे पार्टी से ही निकाल दिया लेकिन जब मनीष सिसोदिया जेल गए.....तब उन्हें क्यों नहीं निकाला? नरेश बालियान जेल गए, तब उनकी पत्नी को टिकट दे दिया लेकिन मेरे परिवार को छोड़ दिया। उन्होंने सत्येंद्र जैन की गिरफ्तारी का जिक्र कर कहा कि वे जेल गए, तब उनका इस्तीफा तक नहीं लिया गया। अगर एक पूर्व मुख्यमंत्री बाहर आकर प्रचार कर सकता है, तब ताहिर हुसैन भी बाहर आ सकता है।

हुसैन ने भावनात्मक अपील कर कहा कि नाइंसाफी का आपका बेटा शिकार है। अपनों से दूर जेल में है। वफादार और गद्दार की बात हो रही है। वक्त बताएगा कि वफादार कौन है और गद्दार कौन है। हुसैन ने कहा कि चुनाव दो मुख्य पार्टियां लड़ रही हैं, एक अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी और एक नरेंद्र मोदी की भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी)।

उन्होंने कहा कि एक पार्टी मोदी के नाम पर वोट मांग रही है, दूसरी केजरीवाल के नाम पर वोट मांग रही है। स्कूल नहीं है, टेंट में बच्चे पढ़ते हैं। ब्रांड को वोट देते हैं लोग। जबकि वोट उन्हें दीजिये जो आपकी आवाज उठाए। ताहिर हुसैन ने कहा कि आज चुनाव में तीन नाम की चर्चा हो रही है केजरीवाल की, मोदी की या ताहिर और ओवैसी की। उन्होंने कहा कि यहां जो आता है, वहां यहीं कहता है कि बीजेपी को हराना है इसलिए वोट दीजिए। हुसैन ने कहा कि सिसोदिया जेल गए क्यों नहीं निकाला, जैन को क्यों नहीं निकाला। एक पार्टी में दो कानून क्यों हैं? उन्होंने कहा कि मुझे बीजेपी का एजेंट कहा गया। बीजेपी की साजिश की वजह से ही जेल में हूं। दोनों पार्टियां (आम आदमी पार्टी और बीजेपी) सत्ता की लड़ाई लड़ रही हैं, मेरी लड़ाई हक की है।

गौरतलब है कि असदुद्दीन ओवैसी की अगुवाई वाली एआईएमआईएम ने ताहिर हुसैन को मुस्तफाबाद सीट से टिकट दिया है।

रूस के बनाए चक्रव्यूह में फंसा अमेरिका, किम जोंग ने भी ट्रंप को दे दिया धोखा

नई दिल्ली (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत कई कार्यकारी आदेशों के साथ की, जिसमें विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) से बाहर निकलने का आदेश भी शामिल है। चीन के बढ़ते प्रभाव, चल रहे युद्ध और वैश्विक अर्थव्यवस्था में चीन और अमेरिका की महत्वपूर्ण भूमिका के बीच, ट्रंप को बदली हुई गठबंधनों की दुनिया का सामना करना पड़ रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह के भाषण पर टिप्पणी करते हुए, अमेरिकन एंटरप्राइज इंस्टीट्यूट के वरिष्ठ साथी जैक कूपर ने कहा कि उन्हें लगता है कि ट्रंप की टीम ÷चीन से देशों को अलग करने की कोशिश करेगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ना चाहते हुए भी ऐसी मुसीबत में फंस गए हैं, जिससे निकलना उनके लिए कहीं से भी मुमकिन नहीं है। ट्रंप जिस रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन को अपना दोस्त बताते हैं, वही उनके खिलाफ जाल बुनने में लगे हैं।

नई जमीनी हकीकत यह है कि पिछले कुछ वर्षों में, वॉशिंगटन के दो प्रमुख प्रतिद्वंद्वी, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, ने एक सीमाहीन साझेदारी बनाई है, और बीजिंग ने रूस को यूक्रेन के खिलाफ लड़ाई जारी रखने के लिए समर्थन दिया है। दिलचस्प बात यह है कि ट्रंप ने शपथ ग्रहण समारोह पूरा भी नहीं किया था कि शी और पुतिन ने एक लंबी फोन कॉल की, जिसमें उन्होंने अपनी रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने का प्रस्ताव रखा था, जैसा कि रॉयटर्स ने 21 जनवरी को रिपोर्ट किया। रूस ने जून 2024 में उत्तर कोरिया के साथ और लगभग एक हफ्ते पहले ईरान के साथ भी रणनीतिक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस तरह, एक अनौपचारिक गठबंधन आकार ले रहा है जो वॉशिंगटन के किसी भी कदम का मुकाबला कर सके जो उनके हितों को नुकसान पहुंचा सकता है। गौरतलब है कि पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के चीन में राजदूत ने इसे ÷अशुभ गठबंधन÷ कहा था। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि यह अमेरिका और उसके सहयोगियों के लिए प्रभाव खोने जैसा है।

प्रोफेसर केएन पंडिता ने कहा कि पिछले चार सालों में अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक समीकरण में कई बदलाव आए हैं। नए गठबंधनों को उभरते हुए देख रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप के जाने-माने विरोधियों ने एक तरह का गठबंधन बना लिया है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। एक महत्वपूर्ण विकास यह है कि रूस-यूक्रेन युद्ध के 2022 में शुरू होने के बाद से ये असंतुष्ट देश एक-दूसरे के करीब आ गए हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने चुनाव अभियान के दौरान और पद की शपथ लेने के तुरंत बाद महत्वपूर्ण घोषणाएं की थीं। उन्होंने रूस के यूक्रेन में युद्ध को समाप्त करने, ईरान के परमाणु कार्यक्रम को रोकने और चीन का मुकाबला करते हुए अमेरिकी सैन्य शक्ति को बढ़ाने का वादा किया। एक अन्य बयान में उन्होंने चेतावनी दी कि अगर मॉस्को शांति वार्ता को आगे नहीं बढ़ाता है, तो यह उसके अपने भविष्य को खतरे में डाल देगा। यह एक हल्का संकेत है कि मौजूदा गठबंधन इस हमले को सहन नहीं कर पाएगा।

अनूपशहर में साइबर ठगी का शिकार हुई सरकारी शिक्षिका

पोषित कुमार(आज का मुद्दा) अनूपशहर:अनूपशहर में एक सरकारी शिक्षिका के साथ साइबर ठगी का मामला सामने आया है। विजय रानी नाम की शिक्षिका के दो बैंक खातों से साइबर अपराधियों ने कुल 2 लाख 40 हजार रुपये की धोखाधड़ी की है।पीड़िता के पास पंजाब नेशनल बैंक और भारतीय स्टेट बैंक की अनूपशहर शाखा में खाते हैं। दोनों खातों में एक ही मोबाइल नंबर रजिस्टर्ड था। साइबर अपराधियों ने 2 जनवरी से भारतीय स्टेट बैंक के खाते से और 22 जनवरी से पंजाब नेशनल बैंक के खाते से छोटी-छोटी रकम वढकके माध्यम से ट्रांसफर करना शुरू कर दिया।हैरानी की बात यह है कि अपराधियों ने पैसे शिक्षिका विजय रानी की बेटी देवांशी के पंजाब नेशनल बैंक खाते में ट्रांसफर कर उड़ाये। जैसे ही पीड़िता को अपने खातों से पैसे निकलने की जानकारी मिली, उन्होंने तुरंत पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तीनों बैंक खातों का स्टेटमेंट मंगवा लिया है और जांच शुरू कर दी है।यह मामला साइबर अपराधियों की बढ़ती सक्रियता और उनके नए तरीकों को दशार्ता है, जहां वे पीड़ित के परिवार के सदस्यों के खातों का भी दुरुपयोग कर रहे हैं। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे अपने बैंक खातों और वढकलेनदेन में विशेष सावधानी बरतें।

राजभवन में 07 से 09 फरवरी तक आयोजित होगी फल, शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी

ब्यूरो रिपोर्ट दिलशाद अहमद आज का मुद्दा बहराइच 29 जनवरी। जिला उद्यान अधिकारी दिनेश चौधरी ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी राजभवन प्रांगण, लखनऊ में 07 से 09 फरवरी 2025 को प्रादेशिक फल, शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें जनपद के इच्छुक कृषक अपने फल, शाकभाजी एवं पुष्प के उत्कृष्ट कोटि के नमूनों को प्रदर्शनी में प्रदर्शित करने हेतु बेवसाइट यूपीफ्लावरशोएलकेओ डाट कॉम पर पंजीकरण कराकर शुल्क आनलाइन शुल्क जमा करने के पश्चात प्रविष्टि कार्ड प्राप्त कर सकते हैं। श्री चौधरी ने बताया कि पुरस्कार हेतु प्रदर्शनी का निरीक्षण 06 फरवरी 2025 को मध्यान्ह 12:00 बजे किया जायेगा। कृषकों को 06 फरवरी 06 फरवरी 2025 को प्रातः बजे तक प्रविष्टियां निर्दिष्ट स्थान लगानी होंगी। श्री चौधरी ने बताया कि प्रदर्शनी हेतु दिशा-निर्देश एवं श्रेणी आदि से सम्बन्धित सहायता के लिए किसी भी कार्यदिवस में जिला उद्यान अधिकारी, बहराइच के कार्यालय अथवा योजना प्रभारी पंकज वर्मा के मो.न. 9455108000 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

विधान से समाधान की थीम पर महिलाओं के कल्याणार्थ आयोजित हुआ विधिक जागरूकता कार्यक्रम

ब्यूरो रिपोर्ट दिलशाद अहमद आज का मुद्दा बहराइच 29 जनवरी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं राष्ट्रीय महिला आयोग, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष/जनपद न्यायाधीश के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव/अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश विराट शिरोमणि की अध्यक्षता में ब्लाक सभागार फखरपुर में महिलाओं के हितार्थ विधिक जागरूकता कार्याक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर तहसीलदार कैसरगंज अभयराज पाण्डेय, सहायक विकास खण्ड अधिकारी फखरपुर हरिओम शास्त्री, रिर्सोस पर्सन बाल संरक्षण अधिकरी श्रीमती शिविका मौर्या, समाजसेविका श्रीमती अर्चना मिश्रा, ब्लाक मिशन प्रबन्धक फखरपुर सत्येन्द्र पाण्डेय तथा बड़ी संख्या में महिलाए मौजूद रहीं। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/सचिव श्री शिरोमणि द्वारा शिविर में उपस्थित महिलाओं को जागरुक करते हुए बताया गया कि न्यायपालिका किसी भी जनतंत्र के तीन प्रमुख अंगों में से एक है। न्यायपालिका संविधान और कानून की रक्षक है। भारत में विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के अंतर्गत राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण का गठन किया गया है। इसी के अंतर्गत प्रत्येक जिलों में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यरत है, जो समाज के कमजोर वर्गों को मुफ्त कानूनी सेवाएं प्रदान करती है। आर्थिक रुप से कमजोर व्यक्ति, जो न्यायालय अथवा तहसील में अपने गुकदमे की पैरवी करने में असमर्थ है, वह जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से निःशुल्क अधिवक्ता पा सकता है। इसके अतिरिक्त सचिव द्वारा राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के टॉल फ्री नम्बर 15100 के बारे में जानकारी दी गयी। रिसोर्स पर्सन हरिओम शास्त्री ने विधान से समाधान विषयक अन्तर्गत महिलाओं के विरूद्ध अपराधों जैसे एसिड हमला, बलात्कार, अपहरण किसी भी प्रकार का यौन हमला, मानव तस्करी, क्रूरता, दहेज उत्पीड़न तथा महिलाओं के अधिकारों से संबंधित विधिक जानकारी प्रदान की गयी तथा महिलाओं की सुरक्षा एवं उनके हितों के संरक्षण व संवर्धन हेतु कानूनों के बारे में बताया गया।जिला बाल कल्याण अधिकारी श्रीमती शिविका मौर्या द्वारा बताया गया कि मिशन शक्ति अभियान महिलाओं के विरूद्ध अपराधों को रोकने और उनकी सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने पर केंद्रित है। उत्तर प्रदेश में महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से विधवा पेंशन योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, जननी सुरक्षा योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना जैसी अनेकों योजनाए तथा हेल्पलाइन क्रियाशील हैं। शिविर के दौरान समाज सेविका श्रीमती अर्चना मिश्रा द्वारा बाल विवाह को रोकने एवं बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया।

जेल से छुटे किसान अब यमुना प्राधिकरण के खिलाफ करेंगे नया आंदोलन

आज का मुद्दा-नोएडा। दनकौर में मंगलवार को किसान एकता संघ द्वारा जेल से रिहा हुए किसान नेताओं का भव्य स्वागत किया गया। किसान आदर्श इंटर कॉलेज के पास आयोजित कार्यक्रम में जिले भर से सैकड़ों किसान एकत्र हुए। एक महीने की जेल यात्रा के बाद रिहा हुए 5 प्रमुख किसान नेताओं ने प्रशासन की कार्यशैली पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की।किसान एकता संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सोरन प्रधान ने बताया कि 25 नवंबर से शुरू हुए आंदोलन में किसानों की प्रमुख मांगें थीं - 10 प्रतिशत विकसित भूखंड, आबादी निस्तारण और 2013 के भूमि अधिग्रहण कानून का क्रियान्वयन। जेल से रिहा हुए नेता डॉ. रुपेश वर्मा ने आरोप लगाया कि आंदोलन के दौरान पुलिस प्रशासन ने किसानों पर अत्याचार किए और उनकी शिकायत मुख्यमंत्री तक पहुंचाई गई है।कार्यक्रम में किसान नेताओं ने स्पष्ट किया कि प्रशासन की दमनकारी नीतियों से उनका हौसला नहीं टूटेगा। आबादी की समस्या को लेकर यमुना प्राधिकरण के विरुद्ध एक बड़े आंदोलन की रणनीति भी बनाई गई। इस अवसर पर पप्पे नागर, सुखबीर खलीफा, संतराम भाटी, प्रमोद शर्मा सहित अन्य प्रमुख किसान नेता और बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल वि. अभि./क. वि., डी. आर. एम. ऑफिस, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्य हेतु खुली निविदायें आमंत्रित करते हैं।

1	**कार्य का नाम व स्थान:** आरओके–बीटीआई सेक्शन पर मौर स्टेशन पर 25 केवी एसी ओएचई संशोधन कार्य का डिजाइन, आपूर्ति, निर्माण, परीक्षण और कमीशनिंग, डीएलआई–बीटीआई सेक्शन पर मौर स्टेशन पर रनिंग लाइन में परिवर्तित करके रिलीफ साइडिंग (माल हैंड्लिंग लाइन) पर सीधे रिसेप्शन/डिस्पैच सुविधा के प्रावधान के संबंध में।
2	**अनुमानित लागत :** Rs. 41,75,129.69/-
3	**बयाना राशि :** Rs. 83,500/-
4	**ई-निविदा ऑनलाइन जमा करने की अवधि:** 10.02.2025 (10.30 बजे) से 24.02.2025 (15.00 बजे तक)
5	**ई-निविदा समापन की अंतिम तथा ई-निविदा खुलने की तारीख और समय:** 24.02.2025 (15.00 बजे)
6	**निविदा छपाई की लागत:** Capital (PH-16)
7	**वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है:** www.ireps.gov.in

सं: 48-क.वि. -नई दिल्ली-2024-25 दिनांक: 27.01.2025 311/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

जिले में 10 फरवरी को समारोह पूर्वक आयोजित किया जाय राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस: डीएम

ब्यूरो रिपोर्ट दिलशाद अहमद आज का मुद्दा

बहराइच 29 जनवरी। स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा हेतु मंगलवार की देर शाम कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला स्वास्थ्य समिति के शासी निकाय की बैठक में जिलाधिकारी मोनिका रानी ने मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र के साथ 76वें गणतंत्र दिवस पर नई दिल्ली में सम्मानित हुई ग्राम भैसाही हुजूरपुर निवासी आशा सत्या सिंह को शील्ड व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया। बैठक में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्या योजना के अन्तर्गत गोल्डेन कार्ड की अपेक्षित प्रगति न पाये जाने पर डीएम ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए प्रगति में सुधार लाने का निर्देश देते हुए सबसे खराब प्रगति वाले ब्लाक के विरूद्ध कार्यवाही करने तथा 70 वर्ष से ऊपर के समस्त लाभार्थियों के गोल्डेन कार्ड निर्माण में तेजी लाये जाने के भी निर्देश दिये। बैठक में अंधता निवारण कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान ज्ञात हुआ कि मोतियाबिन्द का आपरेशन लक्ष्य के सापेक्ष मात्र 23 प्रतिशत है। प्रगति कम पाये जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए सम्बन्धित नोडल अधिकारी के विरुद्ध कार्यवाही करने एवं आपेक्षित सुधार लाये जाने के निर्देश दिये। मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान 3485 बच्चे दृष्टिदोष से ग्रसित पाये गये है। जिसमें 1855 बच्चों को चश्मा वितरण कर दिया गया है। शेष बच्चों को शीघ्र चश्मा उपलब्ध करा दिया जायेगा। साथ ही वृद्धों के चश्मा वितरण के

सम्बंध में अवगत कराया कि 1743 के सापेक्ष शत प्रतिशत वृद्धों को चश्मा वितरण करा दिया गया है। डीएम ने मुख्य चिकित्साधिकारी एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि दृष्टिदोष से चिन्हित शत प्रतिशत बच्चों को शीघ्र चश्मा उपलब्ध कराया जाय। बायोमेडिकल वेस्ट की समीक्षा में पाया गया कि सरकारी एवं निजी चिकित्सालयों/पैथालोजी सेण्टरों के द्वारा बायोमेडिकल वेस्ट के निस्तारण में ढिलाई बरती जा रही है समय से बायोमेडिकल वेस्ट का निस्तारण न होने से प्रदूषण एवं जानवरों आदि को बीमारी होने का खतरा उत्पन्न हो रहा है। उक्त के सम्बंध में मुख्य चिकित्साधिकारी एवं उपस्थित चिकित्सा अधीक्षकों को निर्देशित किया कि समस्त सरकार चिकित्सालयों एवं निजी पैथालोजी सेण्टर, चिकित्सालयों को कड़ी चेतावनी जारी की जाय कि प्रतिदिन बायोमेडिकल वेस्ट का निस्तारण सम्बन्धित फर्म, बायो स्पेट्रम के माध्यम से अवश्यक कराये। यदि कहीं पर भी बायोमेडिकल वेस्ट बाहर जलता या कूडे में फेका पाया गया तो सम्बन्धित के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।

परिवार नियोजन कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान पीपीआईयूसीडी में जिला महिला चिकित्सालय की अत्यन्त कम प्रगति पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए सम्बन्धित नोडल अधिकारी को चेतावनी पत्र जारी करने एवं प्रगति में सुधार लाये जाने के निर्देश दिये गये। साथ ही निरन्तर समीक्षा करते हुए परिवार नियोजन कार्यक्रम में आपेक्षित सुधार लाये जाने के निर्देश दिये। क्षयरोग उन्मूलन कार्यक्रम के अर्न्तगत माह जनवरी से संचालित 100 दिवसीय टीबी रोगी खोजी अभियान की समीक्षा में उपस्थित चिकित्साधिकारियों को निर्देशित किया कि लक्ष्य के सापेक्ष अधिक से अधिक सम्भावित टीबी रोगियों के स्पूटम/टू-नाट/एक्स-रे के माध्यम से जांच कर निक्षय पोर्टल पर रिपोर्ट समय से अपलोड करें। साथ ही क्षय ग्रस्त रोगियों को जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों के माध्यम से गोद दिलवाकर निक्षय मित्र पोर्टल पर सूचना अपलोड करें। अभियान के दौरान विशेश्वरगंज सीएचसी द्वारा मात्र 19 क्षय ग्रस्त रोगियों का चिन्हांकन करने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देशित किया कि सम्भावित मरीजों की सही से जांच करें जिससे अधिक से अधिक मरीजों का चिन्हांकन हो सके।

श्रीकृष्ण बलराम मन्दिर में धूमधाम से मनाया गया भक्ति वेदांत नारायण स्वामी महाराज का आविर्भाव महोत्सव

(डॉ. गोपाल चतुर्वेदी)

वृन्दावन।सेवाकुंज गली स्थित श्रीकृष्ण बलराम मन्दिर में प्रख्यात गौडीय संत श्रीमद् भक्ति वेदांत नारायण स्वामी महाराज का आविर्भाव महोत्सव संतों - विद्वानों व भक्तों की उपस्थित में अत्यंत श्रद्धा व धूमधाम के साथ सम्पन्न हुआ। प्रातः काल महाराजश्री की प्रतिमा का वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य अभिषेक व पूजन-अर्चन किया गया।साथ ही भजन संकीर्तन का भी आयोजन सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर आयोजित संत-विद्वत संगोष्ठी में श्रील भक्ति वेदांत स्वामी मधुसूदनाचार्य गोस्वामी महाराज (विश्वबन्धु) व वृन्दा कुंज के भक्ति वेदांत परमद्वैत महाराज ने कहा कि हमारे सदगुरुदेव श्रीमद् भक्ति वेदांत नारायण स्वामी महाराज गौडीय सम्प्रदाय की बहुमूल्य निधि थे।उन्होंने गौडीय सम्प्रदाय के संस्कृति व बांग्ला भाषा में लिखे 100 से भी अधिक ग्रंथों का हिन्दी में अनुवाद किया।बाद को इन ग्रंथों का विश्व की विभिन्न भाषाओं में अनुवाद हुआ। ब्रज साहित्य सेवा मंडल के अध्यक्ष डॉ. गोपाल चतुवेर्दी ने व प्रमुख समाजसेवी पंडित बिहारीलाल वशिष्ठ ने कहा कि श्रीमद् भक्ति वेदांत नारायण स्वामी महाराज की गौडीय सम्प्रदाय के लिए अनेकों देनें हैं।उनके द्वारा मथुरा में श्रीकेशव गौडीय मठ और वृंदावन में श्रीरूप सनातन गौडीय मठ व श्रीकेशव गौडीय मठ आदि की स्थापना की गई। भक्ति वेदांत दामोदर महाराज व भक्ति मयूर भिक्षु महाराज ने कहा कि श्रीमद् भक्ति वेदांत नारायण स्वामी महाराज अनेकानेक सद्गुणों की खान थे।बरसाना के प्रख्यात संत व वाणीकार नारायण भट्ट ने

महाराज श्री की विद्वत्ता व संतत्व से प्रभावित होकर उन्हें "योगाचार्य" की उपाधि से अलंकृत किया था।

आविर्भाव महोत्सव में प्रख्यात भागवताचार्य गोपाल भैया महाराज, स्वामी गोकुलानंद वन महाराज, भक्ति वेदांत साधु महाराज, गोविंद महाराज, युवा साहित्यकार डॉ. राधाकांत शर्मा, ध्रुव गोस्वामी महाराज, अच्युतानंद प्रभु, महंत मधुमंगल शरण शुक्ल, वरिष्ठ पत्रकार भोलेश्वर उपमन्यु, बालकृष्ण शर्मा (बालों पण्डित), विष्णुकांत भारद्वाज (ब्रजवासी भैया), ब्रजराज दास, प्रेम प्रदीप दास, रविकुमार शर्मा, राजू व राधा नाथ दास आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए। महोत्सव का समापन संत ब्रजवासी वैष्णव सेवा एवं वृहद भंडारे के साथ हुआ।भक्ति वेदांत स्वामी मधुसूदनाचार्य गोस्वामी महाराज ने सभी आगंतुक अतिथियों का अभिनंदन कर आभार व्यक्त किया।

प्रयागराज महाकुंभ के शिविरों में "मां सीता रसोई" के द्वारा साधु-संतों को भोजन करा रही हैं प्रख्यात समाजसेवी मनप्रीत कौर

अन्न से करनी है अधिक से अधिक लोगों की सेवा : मनप्रीत कौर

आज का मुद्दा
(डॉ. गोपाल चतुर्वेदी)

प्रयागराज महाकुंभ। प्रयागराज के महाकुंभ में देश भर के साधु-संतों का कल्पवास हो रहा है। इसमें ह्यमां सीता रसोई का संचालन करने वालीं श्रीमहंत ज्ञान दास महाराज हनुमान गढी (अयोध्या) की सदप्रेरणा से संकटमोचन सेना महिला प्रकोष्ठ, पंजाब की अध्यक्ष, प्रख्यात समाजसेवी मनप्रीत कौर (लुधियाना) उनकी सेवा में लीन हैं। वह महाकुंभ में भी अपनी पूरी टीम के साथ साधु, संतों और भण्डारों के लिए विशेष रूप से अलग - अलग शिविरों में जाकर मां सीता रसोई चला रही है। प्रतिदिन 15 से 20 हजार ज्यादा साधु- संतों को भोजन प्रसाद उपलब्ध करा रही हैं।

आचार्य अंशुल पाराशर ने बताया कि महाकुंभ के सेक्टर-18 स्थित हरियाणा के चरखी दादरी आश्रम के पीठाधीश्वर दंडी स्वामी ब्रह्माश्रम महराज के शिविर में उन्होंने मां सीता रसोई के द्वारा अन्नक्षेत्र चलाकर सेक्टरझ20 में स्थित अटल अखाड़ें में पहुंची और साधु-संतों को भोजन प्रसाद व दक्षिणा आदि वितरित की।

संकटमोचन सेना महिला प्रकोष्ठ, पंजाब की अध्यक्ष, प्रख्यात समाजसेवी मनप्रीत कौर ने कहा कि वे कई वर्षों से अयोध्या और वृंदावन में "सीता की रसोई" चला रही हैं। जिनके माध्यम से वे धार्मिक स्थलों पर जा-जाकर इसी तरह साधु-संतों व निर्धनों-निराश्रितों की सेवा करती हैं।उनका प्रयास रहता है कि कोई भी व्यक्ति भूखा न सोए। उन्होंने बताया कि समाजसेवा करने से उन्हें बहुत संतुष्टि मिलती है।इसीलिए उनकी पूरी कोशिश रहती है, कि वे अधिक से अधिक लोगों की अन्न से सेवा कर सकें।

प्रख्यात समाजसेवी मनप्रीत कौर ने बताया कि सीता रसोई के द्वारा प्रयागराज महाकुंभ के अंतर्गत महाशिवरात्रि तक यह अन्नसेवा यथावत चलती रहेगी।

उर्वरकों की जमाखोरी व ओवर रेटिंग पर होगी कड़ी कार्रवाई: डीएम

ब्यूरो रिपोर्ट दिलशाद अहमद आज का मुद्दा बहराइच 29 जनवरी। जिलाधिकारी मोनिका रानी ने जनपद के समस्त फुटकर उर्वरक विक्रेता, सचिव साधन सहकारी समिति लिमिटेड, इफको किसान सेवा केन्द्र, एग्रीजक्शन वन स्टाप शॉप, जुआरी एग्रो एण्ड केमिकल्स लिमिटेड आईएफएफडीसी कृषक सेवा केन्द्र एवं समस्त थोक उर्वरक विक्रेताओं को सचेत किया है कि उर्वरकों की काला बाजारी एवं ओवररेटिंग की शिकायत पाये जाने तथा यूरिया एवं फास्फेटिक उर्वरकों के साथ जबरन किसी भी प्रकार के अन्य उत्पादों की टैगिंग की शिकायत पर सम्बन्धित के विरूद्ध उर्वरक अकार्बनिक, कार्बनिक या मिश्रित (नियंत्रण) आदेश, 1985 व आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के प्राविधान के अनुसार कठोर कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। उर्वरक विक्रेताओं को यह भी निर्देश दिया गया है कि कृषकों को उर्वरकों की बिकी पीओएस मशीन के माध्यम से सुनिश्चित की जाये जिससे समस्त कृषकों को उनकी आवश्यकता के अनुसार उपलब्धता सुनिश्चित हो सके।

डीएम ने बताया कि जिले में उर्वरक के कृत्रिम अभाव की स्थिति उत्पन्न न होने पाये इसके लिए थोक उर्वरक विक्रेताओं एवं बफर स्टाकिस्टों के स्टाक का नियमित रूप से सत्यापन भी कराया जायेगा। जाचं के दौरान कृत्रिम अभाव के दृष्टिगत यदि उर्वरक की जमाखोरी पायी जाती है तो ऐसे स्टाक को तत्काल बाजार मे कृषकों हेतु बिकी के लिये अवमुक्त कर दिया जायेगा तथा दोषियों के विरूद्ध सुसंगत प्राविधानों के अन्तर्गत विधिक कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। डीएम ने सभी उर्वरक विक्रेताओं को यह भी निर्देश दिया है कि कृषकों को संतुलित मात्रा मे उर्वरकों के प्रयोग हेतु टीएसपी तथा एनपीके उर्वरकों के प्रयोग हेतु जागरूक भी किया जाय।

मसाले जो हमें स्वस्थ रखते है, सतलुज पब्लिक स्कूल : रीक्रिट सेराई

पंचकुला : (राजकुमार)

सतलुज पब्लिक स्कूल, सेक्टर 4, पंचकुला, हरियाणा के अंग्रेजी और एसएसटी विभाग कक्षा 6 के छात्रों के लिए एक रोमांचक और शैक्षिक उद्धर गतिविधि प्रस्तुत करने के लिए एक साथ आए, जो अध्याय मसाले जो हमें स्वस्थ रखते हैं पर आधारित है। इस अनूठे कार्यक्रम ने रचनात्मकता, टीमवर्क और इंटरैक्टिव सीखने को मिश्रित किया, जिससे हर कोई प्रेरित और चकित रह गया!

गतिविधि हाइलाइट्स

मसाला अन्वेषण

कक्षा 6 के छात्रों ने मसालों की सुगंधित दुनिया में गोता लगाया! उन्होंने उनके अंग्रेजी और हिंदी नामों, औषधीय गुणों और खाना पकाने और उपचार में उनके उपयोग के बारे में सीखा। व्यावहारिक अनुभव ने छात्रों को इन प्राकृतिक चमत्कारों के लिए एक नई सराहना दी

नाट्य जादू

छात्रों ने एक आकर्षक नाटक के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिसमें स्वास्थ्य और दैनिक जीवन में मसालों की अविश्वसनीय भूमिका पर प्रकाश डाला गया। उनका प्रदर्शन ऊर्जा, रचनात्मकता और मूल्यवान अंतर्दृष्टि से भरा था, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया

इंटरैक्टिव चचाएँ

छात्रों ने अन्य कक्षाओं और शिक्षकों को जैविक और अकार्बनिक मसालों के बीच अंतर पर एक व्यावहारिक चर्चा में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। विचारोत्तेजक सत्र ने सभी को स्वस्थ और अधिक टिकाऊ विकल्पों पर विचार करने के लिए प्रोत्साहित किया!

रचनात्मक प्रदर्शन

कार्यक्रम में रंगीन पोस्टर, मसाला चार्ट और लाइव मसाला प्रदर्शन शामिल थे, जिससे गतिविधि एक दृश्य उपचार बन गई! छात्रों ने स्कूल में असली मसाले लाए, खूबसूरती से डिजाइन किए गए सेटअप के माध्यम से उनके गुणों और उपयोगों को प्रदर्शित किया।

मल्टीमीडिया टचः

वीडियो और स्लाइड सहित एक मल्टीमीडिया प्रस्तुति ने दर्शकों को मसालों के इतिहास, भूगोल और सांस्कृतिक महत्व की यात्रा पर ले गया। इसने सीखने के अनुभव में गहराई और उत्साह जोड़ा!

इस अभिनव और इमर्सिव गतिविधि के माध्यम से, कक्षा 6 के छात्रों ने वास्तव में समग्र शिक्षा की भावना को अपनाया, रचनात्मकता और सहयोग को बढ़ावा देते हुए अपने ज्ञान को बढ़ाया।

सतलुज ग्रुप ऑफ स्कूल्स के प्रबंध निदेशक रीक्रिट सेराई का संदेश मसाले केवल सामग्री नहीं हैं; वे प्रकृति के खजाने हैं जो हमारे जीवन को समृद्ध करते हैं। मैं कक्षा 6 के छात्रों और अंग्रेजी और एसएसटी विभागों की इतनी रचनात्मक रूप से इसे प्रदर्शित करने के लिए सराहना करता हूँ। इस तरह की गतिविधियाँ जिज्ञासा, टीमवर्क और अलग सोच को बढ़ावा देती हैं। आइए हम युवा दिमागों को खोज करने और नया करने के लिए प्रेरित करना जारी रखें!

हरियाणा में परिवहन विभाग को आधुनिक रूप से कार्य करने के लिए जल्द ही एक टैजकिंग ऐप बनाया जाएगा- परिवहन मंत्री अनिल विज

चण्डीगढ : शशि किरण अरोड़ा)-आज का मुद्दा-हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि ह्यह्यहरियाणा में परिवहन विभाग को आधुनिक रूप से कार्य करने के लिए जल्द ही एक टैजकिंग ऐप बनाया जाएगा और इस ऐप को बनाने के लिए कार्य किया जा रहा है तथा इस संबंध में उनके द्वारा परिवहन विभाग के अधिकारियों को निर्देश भी दिए गए हैं।

विज चण्डीगढ में मीडिया कर्मियों के सवालों का जवाब दे रहे थे।

ऐप से बस की जानकारी मिलने पर यात्री नहीं लेगा वैकिल्पक परिवहन

सुविधा- विज

उन्होंने कहा कि ह्यह्यपरिवहन विभाग के ऐप में कौन सी बस कब आती है और कब जाती है, इस प्रकार की सभी जानकारियां यात्रियों को ऐप के माध्यम से मुहैया करवाई जाएगी। उन्होंने कहा कि ये ऐप आम व्यक्ति के मोबाईल फोन में भी होगी और वह देख सकेगा कि हरियाणा रोडवेज की कौन सी बस आ रही है

और जहां पर अमुक व्यक्ति खडा है, वहां पर वह अमुक बस कितनी देर में पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि ह्यह्यइस ऐप के बनने से विभाग के साथ-साथ यात्रियों को भी लाभ होगा क्योंकि जब यात्री को पता होगा कि बस आ रही है तो वह वैकल्पिक परिवहन से जाने की कोशिश नहीं करेगा।

राज्य के पांच बस अडडों पर खाने-पीने की चीजें हरियाणा पर्यटन विभाग द्वारा उपलब्ध करवाई जाएगी, पायलट प्रोजैक्ट के लिए सरकार को भेजा प्रस्ताव- विज

परिवहन मंत्री ने बताया कि इसके साथ-साथ कई ओर मुख्य कदम भी परिवहन विभाग द्वारा उठाए जा रहे है जिसके तहत बस अडडों/स्टॉप पर अच्छा खाने-पीने का सामान मिलें। उन्होंने बताया कि फिलहाल राज्य के पांच बस अडडों पर खाने-पीने की चीजें हरियाणा पर्यटन विभाग द्वारा उपलब्ध करवाई जाएगी। इस संबंध में पायलट प्रोजैक्ट के तौर पर एक प्रस्ताव सरकार को भेजा गया है। उन्होंने कहा कि यदि यह पायलट परियोजना सफल होती है तो इसे आगे भी विस्तारित किया जाएगा। अन्यथा रेलवे की तर्ज पर कारपोरेशन बनाकर यात्रियों/लोगों को अच्छा खाने-पीने का सामान उपलब्ध करवाने के लिए आगे बढा जाएगा।

नो हेलमेट नो फ्यूल' नियम को बंद करे जिला प्रशासन, डीएम और एसपी को सौंपा ज्ञापन

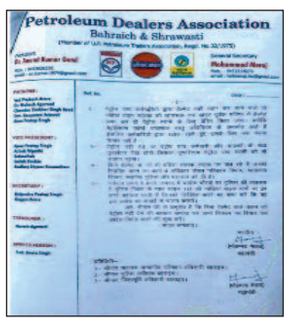

ब्यूरो रिपोर्ट दिलशाद अहमद आज का मुद्दा

बहराइच जिले में 'नो हेलमेट नो पेट्रोल' नियम 26 जनवरी से लागू कर दिया गया है। लेकिन आवश्यक वस्तु पदार्थ में शामिल पेट्रोल और डीजल को बिना हेलमेट वाहन से आने वाले लोगों को न देने पर विवाद हो रहा है। इसको देखते हुए पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन संघ ने जिला प्रशासन से विचार करने की मांग करते हुए इस नियम को हटाने की बात कही है।

पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन बहराइच/श्रावस्ती संघ के महामंत्री मोहम्मद मेराज अगुवाई में संघ के पदाधिकारी बुधवार को जिलाधिकारी मोनिका रानी को ज्ञापन देने पहुंचे। सभी ने सड़क हादसे रोकने के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगाए गए नियम नो हेलमेट नो फ्यूल का स्वागत किया। सभी ने कहा कि नियम सही है, लेकिन इससे पेट्रोल पंप पर विवाद बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि बिना हेलमेट के आने वाले लोगों को पेट्रोल न देने पर झड़प की स्थिति बन रही है। इतना ही नहीं जिले के 113 पेट्रोल पंप पर यह स्थिति 26 जनवरी से उत्पन्न हो रही है। ऐसे में इस नियम को हटाकर बाइक चालकों को जागरूक करने, साथ ही सभी पेट्रोल पंप पर जागरूकता बैनर लगवाने के निर्देश देने, बिना हेलमेट के वाहन चलाने वाले लोगों पर पुलिस और सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी से कार्रवाई की मांग की।डीएम को ज्ञापन देने के बाद सभी ने पुलिस अधीक्षक राम नयन सिंह को पांच सूत्रीय ज्ञापन देकर नो हेलमेट नो फ्यूल नियम रोकने और अन्य विकल्प पर विचार करने की मांग की। इस दौरान शहर के सभी पेट्रोल पंप संचालक मौजूद रहे।

डीएम की अध्यक्षता में जिला स्तरीय उद्योग बन्धु की मासिक बैठक सम्पन्न हुई

आज का मुद्दा आशीष कुमार

बुलन्दशहर। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी श्रुति की अध्यक्षता में जिला स्तरीय उद्योग बन्धु की मासिक बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जी0एम0 डी0आई0सी0 आशुतोष कुमार सिंह द्वारा बताया गया कि सिकंद्राबाद उद्योग संघ व आई0आई0 चैप्टर सिकंदराबाद की औद्योगिक क्षेत्र सिकंदराबाद के अंदरूनी नालों की साफ-सफाई व सड़कों की मरम्मत के सम्बन्ध मे शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसमे क्षेत्रीय प्रबन्धक, यूपीसीडा के द्वारा अवगत कराया गया है कि औद्योगिक क्षेत्र सिकन्द्राबाद में लगभग 1633. 99 लाख के सड़कों के मरम्मत,अनुरक्षण, प्रवेश द्वार का कार्य कराया जा रहा है। साथ ही औद्योगिक क्षेत्र की अन्य सड़कों के मरम्मत , अनुरक्षण हेतु रुपये 1230.71 लाख की निविदा में निविदाकार का चयन हो चुका है, निविदाकार के पक्ष में अनुबंध गठन की कार्यवाही पूर्ण होते ही कार्य कराया जाना प्रस्तावित है। उक्त के अतिरिक्त औ० क्षेत्र की जल भराव की समस्या के समाधान हेतु आर०सी०सी० नाली निर्माण के लिए रुपये 6215.67 लाख की धनराशि की निविदा आमन्त्रित की जानी प्रस्तावित है। जिसपर जिलाधिकारी द्वारा यूपीसीडा के अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि नाली निर्माण व अन्य निर्माण करवाते हुए उद्योग बंधुओं से समन्वय स्थापित कर उनको अवगत कराए। सिकंदराबाद उद्योग संघ व आई0आई0ए0 चैप्टर सिकंदराबाद की शिकायत में औद्योगिक क्षेत्र सिकंदराबाद में जिला पंचायत द्वारा लिए गए टैक्स से विकास कार्य कराए जाने के सम्बन्ध में अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत के द्वारा अवगत कराया गया है कि औद्योगिक विकास अनुभाग के शासनादेश के अनुसार उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण के क्षेत्र से कर न लिये जाने के सम्बंध में विशेष सचिव, पंचायतीराज अनुभाग-2. उत्तर प्रदेश शासन से मार्ग-दर्शन मांगा गया है। मार्ग दर्शन प्राप्त होने के उपरांत नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी। पूर्व में कर से प्राप्त धनराशि का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। सिकंदराबाद उद्योग संघ की प्राप्त शिकायत में औद्योगिक क्षेत्र सिकंदराबाद स्थित यूपीएसआईडीए के ट्रांजिस्ट हॉस्टल के जर्जर भवन के सम्बन्ध में क्षेत्रीय प्रबन्धक, यूपीसीडा के द्वारा अवगत कराया गया कि फील्ड हॉस्टिल में अग्निशमन कार्यालय व डाक घर संचालित होने के कारण कार्यवाही लबित है। खुर्जा पॉटरी मैन्यू एसोसिएशन की प्राप्त शिकायत जी0एस0टी0 चोरी की सम्बन्ध में सहायक आयुक्त राज्य कर सचलदल द्वारा अवगत कराया गया है कि खुर्जा में दिनांक 19 जनवरी 2025 तक रोड पर कुल 191 वाहन चैक किये गये हैं, जिसमें से जांच में दोषी पाये गये 07 वाहनों से रुपये 2.67 लाख की वसूली की गई है। सिकंदराबाद उद्योग संघ की प्राप्त शिकायत औद्योगिक क्षेत्र में एन0एच0ए0आई द्वारा ओवरहेड फुट ब्रिज बनाए जाने के सम्बन्ध में बताया गया कि कार्य की कार्यवाही हेतु 19 जनवरी 2025 को टेंडर प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है, शीघ्र ही कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। लघु उद्योग भारती, खुर्जा की प्राप्त शिकायत खुर्जा में विद्युत के जर्जर पोल्स तार एवं ओवरलोडिंग की समस्या के सम्बन्ध में अधिशासी अभियंता, विद्युत खुर्जा द्वारा अवगत कराया गया है कि खुर्जा क्षेत्र में जर्जर तार एवं पोलों को बदलने हेतु वर्तमान में लागू योजना आर०डी०एस०एस० के अन्तर्गत बदलने का कार्य किया जा रहा है, शीघ्र ही पूर्ण कर लिया जाएगा। लघु उद्योग भारती, खुर्जा की प्राप्त शिकायत औद्योगिक क्षेत्र जंक्शन रोड खुर्जा पर विद्युत के सब स्टेशन के लिए भूमि उपलब्ध कराए जाने के सम्बन्ध में अधिशासी अभियंता, विद्युत खुर्जा द्वारा अवगत कराया गया है कि जक्शन रोड खुर्जा की लो वोल्टेज की समस्या के निस्तारण हेतु 33/11 केवी० विद्युत उपकेन्द्र के निर्माण हेतु भूमि आवंटन की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है, भूमि का आवंटन होते ही शीघ्र कार्य का संचालन किया जाएगा, जिसपर जिलाधिकारी द्वारा शीघ्र ही भूमि आवंटन करने के निर्देश दिए गए।सिकंदराबाद उद्योग संघ की प्राप्त शिकायत में रोड न0-12 पर विद्युत पोल को शिफ्ट किए जाने के सम्बन्ध में अधिशासी अभियंता, विद्युत सिकन्द्राबाद के द्वारा अवगत कराया गया है कि औद्योगिक क्षेत्र सिकन्द्राबाद के रोड नं0-12 से पोल्स आदि हटाये -जाने हेतु आगणन यूपीसीडा को स्वीकृति हेतु प्रेषित किया है। स्वीकृति प्राप्त होते ही कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा।

आईएमएस नोएडा में बियॉन्ड द बुक्स कार्यक्रम का आयोजन

आज का मुद्दा-नोएडा। इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (आईएमएस) नोएडा में बियॉन्ड द बुक्स (आइडिया शेयरिंग वर्कशॉप) का आयोजन हुआ। बुधवार को कार्यक्रम के दौरान बतौर वक्ता बिजजकेट के संस्थापक गौरव खंडेलवाल और टूरजकेट के निदेशक चिराग खंडेलवाल ने अपने विचार व्यक्त किए। वहीं संस्थान द्वारा आयोजित इस स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रम में आईएमएस स्किल डेवलपमेंट सेंटर की सलाहकार पूजा तलवार एवं संस्थान के महानिदेशक प्रोफेसर (डॉ.) विकास धवन ने अपनी मौजूदगी दर्ज करायी। कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए प्रोफेसर (डॉ.) विकास धवन ने कहा कि संस्थान का स्किल डेवलपमेंट सेंटर रोजगार कौशल विकसित करने एवं आधुनिक तकनीकों में प्रवीणता प्राप्त करने में छात्रों को मदद करेगी। उन्होंने कहा कि सफलता प्राप्ति के लिए अकादमिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावसायिक और तकनीकी कौशल की दक्षता जरूरी है। छात्रों को उद्योग की नवीनतम आवश्यकताओं के अनुसार तैयार करना हमारा लक्ष्य है। भविष्य में स्किल डेवलपमेंट सेंटर छात्रों को उनके करियर में उत्कृष्टता प्राप्त करने में मदद करेगा।। कार्यक्रम के दौरान गौरव खंडेलवाल ने कहा कि छात्रों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रहकर व्यावहारिक और नवोन्मेषी सोच से जुड़े। उन्होंने छात्रों को नए विचारों को अपनाने और उन्हें वास्तविक दुनिया में लागू करने के लिए प्रेरित किया। वहीं चिराग खंडेलवाल ने छात्रों को उद्यमशीलता और नवाचार के महत्व को समझाया। उन्होंने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में केवल डिग्री प्राप्त करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि छात्रों को नई तकनीकों और व्यवसायिक रणनीतियों को सीखना और लागू करना जरूरी है। उन्होंने छात्रों को अपने विचारों को वास्तविक दुनिया में परखने और जोखिम लेने के लिए प्रेरित किया। आईएमएस स्किल डेवलपमेंट सेंटर की सलाहकार पूजा तलवार ने कहा कि आज का कार्यक्रम आईएमएस सेंटर फॉर स्किल डेवलपमेंट की एक पहल है। यह छात्रों को उद्योगों के अनुरूप कौशल प्रदान करेगी साथ ही उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करेगी। संस्थान द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की संयोजक प्रो. शोभा त्रिपाठी एवं प्रो. ज्योति त्रिपाठी ने बताया कि छात्रों के व्यक्तिगत और पेशेवर विकास को बढ़ावा देने के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन हुआ। आइडिया शेयरिंग वर्कशॉप" का उद्देश्य छात्रों को अपने विचारों को साझा करने, नवाचार को प्रोत्साहित करने और रचनात्मक सोच को बढ़ावा देने के लिए एक मंच प्रदान करना है।

अवैध शस्त्रों व कारतूसों की तस्करी करने वाले दो तस्कर गिरफ्तार

तस्करों के कब्जे से भारी मात्रा में अवैध असलहा कारतूस कारतूस बरामद

आज का मुद्दा बुलंदशहर

बुलंदशहर की थाना कोतवाली देहात पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है, जहा कोतवाली देहात पुलिस ने अवैध शस्त्रों व करतूसों की तस्करी करने वाले दो शातिर तस्करों को गिरफ्तार करने मै सफलता प्राप्त की हैं, बुलंदशहर एएसपी ऋजुल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया की कोतवाली देहात पुलिस ने डीएम रोड पर बने रेलवे खंडर मकान के पास से दो तस्करों को गिरफ्तार करने मै सफलता प्राप्त की है, पकड़े गए दोनों तस्कर अपने दो अन्य साथियों के साथ मिलकर हापुड़ व मेरठ से कारतूस लाकर आगे बेचने का काम करते है, और अच्छा लाभ कमाते है,पकड़े गए तस्करों के कब्जे से पुलिस ने अवैध असलहा कारतूस भी बरामद किए है, वही फरार चल रहे आरोपी की भी पुलिस तलाश मै जुटि है

संगम तट पर भगदड़ से मृतक श्रद्धालुओं की आत्मा की शांति व घायल श्रद्धालुओं की शीघ्र स्वस्थ होने की कामना

आज का मुद्दा-बुलंदशहर

अनूपशहर बुधवार को मंगलवार की देर रात 1:00 बजे प्रयागराज संगम तट पर हुई भगदड़ में मृतक श्रद्धालुओं की आत्माओं की शांति व घायल श्रद्धालुओं को शीघ्र स्वस्थ होने की कामना हेतु कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व द्वारा पूरे उत्तर प्रदेश में कांग्रेस कार्यकताओं से धार्मिक स्थलों पर ईश्वर से घायलों की शीघ्र स्वस्थ होने तथा मृतक श्रद्धालुओं की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना का आह्वान किया जिस पर अनुपशहर में कांग्रेस नेताओं ने जिला महासचिव ज्ञानेंद्र सिंह राघव महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष प्रज्ञा गौड़ नगर अध्यक्ष सलाम खां के साथ गंगा घाट परशुराम पर एकत्रित होकर 2 मिनट का मौन रखते हुए मां गंगा से मृतकों की आत्मा की मोक्ष प्राप्ति हेतु अपने श्री चरणों में स्थान देने तथा घायलों को शीघ्र स्वस्थ करने की कामना के साथ 2 मिनट का मौन रखकर मां गंगे से प्रार्थना की तथा श्रद्धालुओं से आगामी स्नान में प्रशासन के दिशा निदेशों के मुताबिक दी गई एडवाइजरी पर ही चलकर कुंभ में स्नान करने का आह्वान किया मृतक श्रद्धालुओं को श्रद्धांजलि एवं घायलों शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करने वालों में राजेश शर्मा, जीशान कुरैशी, राजेंद्र शर्मा, मोहम्मद उमर, कौशल शर्मा, नेमपाल सिंह, नटवर लाल शर्मा एड., ईशु शर्मा, मोहन सरीन, हेमंत शर्मा, चांद खां आदि कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मिलित रहे।

भटपुरा के ग्राम प्रधान को दिल्ली परेड में सम्मानित होने पर ग्रामीणों ने किया स्वागत

आज का मुद्दा बुलंदशहर : सिकंदराबाद दिल्ली में गणतंत्र दिवस पर सिकंदराबाद क्षेत्र के गांव भटपुरा के ग्राम प्रधान मनोज कुमार को उत्कृष्ट कार्य के लिए दिल्ली गणतंत्र दिवस पर जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल व सचिव डीडी डब्ल्यू अशोक कुमार मीना ने उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यो के लिए ने सम्मानित किया। जल जीवन मिशन ग्रामीण के अधीक्षण अभियंता विनय रावत ने बताया कि प्रदेश सरकार ने हर घर जल योजना में बेहतर कार्य करने वाले ग्राम प्रधानों के नाम मांगे गए थे।जिले से 2 ग्राम प्रधानों के नाम भेजे गए थे जिसमें से ग्राम पंचायत भटपुरा के ग्राम प्रधान मनोज कुमार शर्मा का चयन किया गया है। दिल्ली में गणतंत्र दिवस पर जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल व सचिव ने उन्हें स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।इसी के चलते ग्राम भटपुरा के ग्रामीणों ने प्रधान मनोज कुमार को जल शक्ति मंत्री द्वारा सम्मानित करने पर खुशी की लहर है । वापस लौटने पर उनका ग्रामीणों ने जोरदार स्वागत किया। इस दौरान प्रधान मनोज कुमार शर्मा ने कहा कि वह इसी प्रकार से मानव जीवन के लिए और अपने ग्राम वासियों के लिए कार्य करते रहेंगे उन्होंने सभी सहयोगियों व ग्राम वासियों का आभार व्यक्त प्रकट किया।

डीएम ने की जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारियों साथ बैठक

आज का मुद्दा (आशीष कुमार) बुलन्दशहर। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी श्रुति की अध्यक्षता में जिला समाज कल्याण विभाग, जिला समाज कल्याण विभाग (विकास), जिला प्रोबेशन विभाग, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, श्रम विभाग, जिला सेवायोजन विभाग, खेल विभाग, उत्तर प्रदेश खाद्य एवं रसद विभाग की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक में उक्त विभागों के द्वारा चल रही जनकल्याणकारी योजनाओं व चल रहे निर्माण कार्यों को अधिकारियों द्वारा विस्तार से बताया गया। जिस पर जिलाधिकारी श्रुति द्वारा शेष अन्नपूर्णा भवन (मॉडल उचित दर दुकान) एवं जनसेवा केंद्र का निर्माण कराने, रिक्त खाद्य रसद की दुकानों को स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को आवंटित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही लक्ष्य के सापेक्ष मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत पूर्ण कराने तथा अभ्युदय योजना के अंतर्गत संचालित कोचिंग में आ रही समस्या का शीघ्र निस्तारण करने के भी निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा उपस्थित समस्त विभागाध्यक्ष को निर्देशित करते हुए कहा कि शासन द्वारा संचालित समस्त जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ शत-प्रतिशत पात्र लाभार्थियों को ससमय उपलब्ध कराए, जिससे आमजन को लाभ मिल सके।

फर्जी रिपोर्ट बनाने वाले अनाया डायग्नॉस्टिक सेंटर के खिलाफ कोर्ट का चाबुक! एफआईआर दर्ज करने का आदेश

आज का मुद्दा-नोएडा : नोएडा के इ 57 सेक्टर 52 स्थित अनाया अल्ट्रासाउंड सेंटर के डॉक्टरो पर फर्जी रिपोर्ट करने के गम्भीर आरोप लगे हैं। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट गौतम बुद्धनगर ने प्रकरण की गंभीरता से लेते हुए एफआईआर दर्ज करने का आदेश सेक्टर 24 थाने को दिया। और सप्ताह भर के अंदर कार्रवाई की रिपोर्ट को कोर्ट में पेश किए जाने का आदेश भी दिया। वाकया नोएडा के सेक्टर 52 स्थित अनाया डायग्नोसिस सेंटर का है जहां डॉ. शिवानी ने विगत 13 अप्रैल 23 को अर्चना मिश्रा का अल्ट्रासाउंड किया था फर्जी रिपोर्ट के मुताबिक मरीज के गुर्दे में 17.5 एमएम पथरी होने की रिपोर्ट दिया। परिजनों को संदेह हुआ तो उन्होंने नोएडा सेक्टर 61 अल्ट्रासाउंड डायमेंशन 14 अप्रैल 23 को डाक्टर मोनिका जी के अल्ट्रासाउंड सेंटर पर जाकर दोबारा से अल्ट्रासाउंड कराया। तो पता चला की पथरी जैसी कोई बात नहीं है। विश्वास और अविश्वास के बीच झूलता यह परिवार एक बार फिर से 21 अप्रैल 23 को नोएडा सेक्टर 11 स्थित मेट्रो हॉस्पिटल में फिर से अल्ट्रासाउंड कराया। इस बार भी पथरी जैसी कोई रिपोर्ट नहीं आई । अब सवाल उठता है कि अनाया अल्ट्रासाउंड सेंटर. जिसने 17.5 एमएम पथरी क्यों रिपोर्ट किया? दरअसल अल्ट्रासाउंड डायग्नोसिस सेंटर संगठित अपराध की तरह व्यवहार कर रहे हैं। मरीजों को इस तरह से रिपोर्ट करके उन्हें ऑपरेशन के लिए विवश करते हैं। इसका क्या मतलब निकाला जाए इस रिपोर्ट को आधार बनाकर मरीज के परिजन निर्णय ले लेते अनावश्यक रूप से लाखों रुपए का व्यय होता। अनन्या डायग्नोसिस की गलत रिपोर्ट पर नोएडा के मुख्य चिकित्सा अधिकारी से की गई शिकायत पर सिर्फ लीपापोती करते हुए इतिश्री कर दिया। लेकिन चिकित्सा अधिकारी के अनुसार भी कोई पथरी नहीं पायी गई ... डायग्नोसिस सेंटर संचालक और डॉक्टर के बीच एक बड़ा नेक्सस बना हुआ है। जिस कारण शिकायत के बावजूद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। अंत में पीड़िता अर्चना मिश्रा ने न्यायालय में बाद दायर किया। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए परीक्षणोंप्रान्त डायग्नोसिस सेंटर पर मुकदमा दर्ज किए जाने का आदेश संबंधित थाने को दिया है। न्यायालय के आदेश के बाद जहां डायग्नोसिस सेंटर संचालकों में हड़कंप मचा हुआ है तो वहीं पीड़िता को न्याय की उम्मीद मिलती दिखाई दे रही है।

रज्जू भैया सैनिक विद्या मंदिर के प्रांगण में रज्जू भैया का जन्म दिवस मनाया गया

आज का मुद्दा (पुष्पेंद्र कुमार)

बुलंदशहर : शिकारपुर बुधवार को रज्जू भैया सैनिक विद्या मंदिर के प्रांगण में रज्जू भैया का जन्म दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सुरेश भैया जोशी का आगमन विद्यालय में हुआ विद्यालय में आये हुए सभी अतिथियों का पटका पहना कर स्वागत किया गया। एवं कैडट्स ने श्रीगणेश वंदना से प्रोग्राम की शुरूआत की इसके अलावा कैडेट्स ने मनमोहक गीतों के माध्यम से सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। विद्यालय के सरक्षक गंगाराम ने सभी बंधुओं का परिचय कराया। विद्यालय के प्रबंधक डॉ रूपनारायण ने रज्जू भैया के बारे में परिचय कराते हुए कहा की रज्जू भैया एक महान वैज्ञानिक थे। कैडेट्स आर्यन भारद्वाज ने सुभाष चंद्र बॉस का किरदार निभाते हुए बॉस के जीवन पर प्रकाश डाला। अजय गोयल ने बाकी अतिथियों का परिचय कराया।विद्यालय के प्रधानाचार्य गोविन्द गुप्ता ने विद्यालय के बारे में बताते हुए कहा की रज्जू भैया सैनिक विद्या मंदिर एक राष्ट्रीय प्रकल्प हैं। मुख्य अतिथि सुरेश भैया जोशी ने अपने भाषण में कहा की रज्जू भैया विद्या भारती के तत्वाधान में इस प्रकार की शिक्षा देने वाला पहला सैनिक स्कूल हैं। उन्होंने रज्जू भैया के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा की रज्जू भैया एक सरल स्वाभाव के व्यक्ति थे। जोशी ने विज्ञान के बारे में भी जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रुति गंगवार ने की। इस अवसर पर डोमेश्वर साहू जी , सूर्यप्रकाश टोंक, डॉ प्रदीप जोशी कृपा शंकर एवं डॉ प्रभास्कर राय आदि उपस्थित रहे।

निर्णयशुदा पुराने मुकदमों से सम्बन्धित कुल 225 माल मुकदमाती (तमंचे /चाकू आदि) को नष्ट कराया

आज का मुद्दा

बुलंदशहर : बुधवार को न्यायालय के आदेश के अनुपालन में थाना औरंगाबाद पुलिस द्वारा शस्त्र अधिनियम व अन्य अभियोगों के निर्णयशुदा पुराने मुकदमों से सम्बन्धित कुल 225 माल मुकदमाती (तमंचे /चाकू आदि) को नष्ट कराया गया। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर शंकर प्रसाद, उप जिला मजिस्ट्रेट सदर नवीन कुमार, अभियोजन अधिकारी नगेन्द्र कुमार, सहायक अभियोजन अधिकारी कु0 पूजा, थाना प्रभारी औरंगाबाद नितिश भारद्वाज सहित संबंधित अधि0/कर्मचारी व जनता के सम्भ्रांत व्यक्ति मौजूद रहे।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

निविदा संख्याः 47-क.वि.-नई दिल्ली-2024-25 दिनांक : 27.01.2025

वरिष्ठ मंडल वि. अभि./क.वि., डी.आर.एम. ऑफिस, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्य हेतु खुली निविदायें आमंत्रित करते हैं।

1	कार्य का नाम व स्थान	डीएलआई–आरओके–बीटीआई सेक्शन पर डबल लाइन सेक्शन पर धरोड़ी (डीएचवाई) स्टेशन पर दूसरी लूप लाइन के प्रावधान के संबंध में 25 केवी एसी ओएचई संशोधन कार्य का डिजाइन, आपूर्ति, निर्माण, परीक्षण और कमीशनिंग।
2	अनुमानित लागत	रु. 96,74,406.60/-
3	बयाना राशि	रु. 1,93,500/-
4	ई–निविदा ऑनलाइन जमा करने की अवधि	07.02.2025 (10:30 बजे) से 21.02.2025 (15:00 बजे तक)
5	ई–निविदा समापन की अंतिम तथा ई–निविदा खुलने की तारीख और समय	21.02.2025 (15:00 बजे)
6	वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	www.ireps.gov.in

309/25

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ